CC0 In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

न्मोय़जिनस्त्रेनिकलनमुक्तगामिनो ॥ ॥ ६७६७॥ मा
हाउत्सेन्पन्यानश्रीअजिकापदतारनतरनविंदश्रीतस्पउत्सेन ॥५॥
पम्परेजु पुनपारु ॥३३५॥ साहरेजुश्री चंदुः ॥३६६॥ ममलरंमल
दासु ॥१७७४॥ जिनरेजुधनपारु ॥४ ६४॥ सुरमनु ॥५॥ ४॥
सुवनी ॥३॥ महजश्री ॥ मिलनश्री ॥ अलुलनश्री अयुवा ॥३॥ अन्मो
यजिनस्त्रेनिकलनमुक्तगामिनो ॥ ॥ महाउत्सवनन्यान
श्री अजिकापदतारनतरन आनंदश्रीतस्पउत्सवेन ॥५॥ जैरमनु
श्री ॥ २४ ॥ ७६ ॥ पम्परेजु पूरन ॥७१०॥ निलैरेजुरसधना ॥ सुवन
कुवारु ॥ मिलन ॥५॥ सुवन ॥२॥ जैरमनुश्री ॥ धुवरमनश्री सुवरम
नश्री ॥३॥ अन्मोयजिनस्त्रेनिकलनमुक्तगामनो ॥
महाउत्सवनश्न्यानश्री अजिकापदतारनतरन ॥ स्मैश्रीतस्पउत्स
न अजि[illegible]श्रीतिजुवा ॥ सुवनी ॥२॥ ममलश्री ॥१॥

१०२

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

जैनिनयश्री ॥२॥साहकुवरमेलु ॥३॥६४॥सुवनकुवरकुकुर॥७४
वांजोरी॥सहजरमनप्रदेस॥१११॥अन्मोय जिनश्रेनिकलनमुक्तग
मिनी॥ ——— ॥महाउत्सवेनन्यानश्री अर्जिकापदतारनतरन
हिसईवनश्रतस्यउत्पन ॥५॥ कनकरेजुकामदेव ॥१॥जैरमनरेजा
जौनसी॥२॥ममल्लरेजुमोडनु ॥३॥उत्पंनरंजुप्रदेस॥४॥सहजसूरा
प्रदेस॥५॥सुवनी॥३॥नंतश्री॥नृतश्री॥तिलयश्री॥३॥अन्मोय
जिनश्रेनिकलनमुक्तगामिनी॥ ——— ॥महाउत्सवेनन्यानश्री
अर्जिकापदतारनतरन ॥ अलषश्रीतस्य उत्पन॥५॥उदेश्रेनि
उदन॥१॥सीलरंजुसीलमु॥२॥धर्मरेजुप्रदेस ॥३॥सयनरंजु
सौसारचंदुः॥४॥तिल्लैरंजुप्रदेस॥५॥सुवनी ३॥ मयन श्री॥ पद्म
श्री॥जुवनसिरी॥३॥अलषश्रीकावहिने॥५सर्वार्थश्री ॥ साह
श्री॥तिलकश्री॥सुवनश्री॥गमनश्री॥५॥ति[illegible]श्रीकेउत्पंनः॥

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

सतसैई येकुवार उउनद्दू ॥१॥ सिवकुमारसरउनु ॥२॥ धनकुवारुप्रदेस
३॥ दिप्परेजु ॥४॥ सुवनी ॥३॥ कनकश्रीजैना ॥ रमनश्री ॥ साहश्री ३
साहश्रीतस्पउत्पन ॥५॥ उजैरेजुउउउः ॥१॥ चमीयरेजुकुरसी ॥२॥
नृतरेजुपंथनु ॥३॥ मयनरेजुमना ॥४॥ सिवकुवारुप्रदेस ॥५ सुव
नी ॥३॥ सपनश्री ॥ गमनश्री ॥ ग्यानश्री ॥३॥ सुवनी ॥३॥ दिप्पश्री ॥ सु
वनश्री साहश्री ॥३॥ सुवनश्रीतस्पउत्पन ॥५॥ ममलरेजुमुनिदासु
१॥ धनरेजुधना ॥२॥ यिवकुवारुपंचाश्नु ॥३॥ गमनरेजुग्यानचं
दु ॥४॥ साहरेजुप्रदेस ॥५॥ सवेश्री तस्पउत्पनः ॥४॥ हरिषश्रीनिहर
पति ॥१॥ निलैरेजुफूल ॥२॥ साहकुवारुसहस ॥ अनैरेजुप्रदेस ४
सुवनी ॥३॥ दिप्पश्री ॥ दर्सश्री ॥ सुमपश्री ॥३॥ गमनश्रीकेउत्पन ॥५
दिप्पकुवारु आनितु ॥१॥ नृतकुवारुपदमसी ॥२॥ सुवकुवारुवेद
सी ॥३॥ सिवनन्दन [illegible] ॥४॥ साहकुमारप्रदेस ॥५ सुव

१०३

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

नो ॥३॥ नेदश्री ॥१॥ नीलश्री ॥२॥ चुल्लनश्री ॥३॥ अन्नोय्यजिनश्रेनिक
ल्लनमुक्तगामिनो ॥ ॥ महाऽत्सवेन न्यानश्री अर्जिकाप
दत्तारनत्तरन ॥ अगमश्रीतस्मर्ऽत्सवेन ॥४॥ ईसकुवारुप्रदेस ॥१॥ लीन
कुंवारुप्रदेस ॥२॥ पैपालरंजुकामराजु ॥३॥ साहिकुवारुसाहिरत्ना
गरौ ॥४॥ सुवनी ॥२॥ रंजुश्री ॥१॥ विनयश्री ॥२॥ अन्नोय्यजिनश्रे
नकलनमुक्तगामिनो ॥ ॥ अगमश्रीकीवहिनेसतसर्ऽ
५॥ अन्नोय्यजिनश्रेनिकल्लनमुक्तगामिनो ॥ दर्सश्री ॥१॥ अचै
श्री ॥२॥ सुवनश्री ॥३॥ सुहश्री ॥४॥ साहश्री ॥५॥ तस्मर्ऽत्सवेन
५॥ हरिखरंजुप्रदेस ॥१॥ हिंपारंरंजुप्रदेस ॥२॥ रिसकुवारुप्र
रत्नसी ॥३॥ परिसकुवारुग्यानचंदु ॥४॥ सिंघकुंवारुसाते ॥
५॥ सुवनी ॥२॥ कल्पश्री ॥१॥ अल्पश्री ॥२॥ अन्नोय्यजिनश्रे
निकलनमुक्तगामिनोः ॥ ॥ सुवनश्रीतस्मर्ऽत्सवेन ॥

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

॥५॥ रैनकुवारु सौराजु ॥१॥ ११॥ रेजुकुवारु सेवौराजु ॥५८७॥ वस
नकुवारु यनु ॥७११॥ सहकुवारु ॥६४॥ दिशकुवारु प्रदेस ॥५॥ सुवन
॥३॥ रेजकुवारु कुवरि: ॥१॥ मयलश्री प्रदेस ॥२॥ ममलश्री ॥२
अन्मोय जिन श्रेनिकलन मुक्तगामिनो ॥ ——— ॥ दर्सश्रीतस्य
उत्पन ॥५॥ निलैरेंजुरेंजपति ॥१७५८॥ वनकवुवारु ॥ सिवकु
वारु ॥४४॥ चुवनरंजु मीषमु ॥२४॥ अनैकुवारप्रदेस ॥७२॥ सु
वनी ॥३॥ धर्मश्री ॥ पोमश्री ॥ पर्मश्री ॥३॥ अन्मोय जिनश्रेनि
कलन मुक्तगामिनो ॥ ——— ॥ अनैश्रीतस्पर्उत्पन ॥६॥ कल
नकुवारु कांधिलु ॥२७॥ दर्सरंजुदेवराजु ॥११॥ रिसकुवारु करनु
२१॥ पीयरेंजुपहराजु ॥२४॥ सहजरंजुप्रदेस ॥७१॥ सुवकुवारु
नरसिंघु ॥३३॥ सुवनी ॥३॥ निलैश्री ॥ नीलश्री ॥ नेदश्री ॥३॥ अ
न्मोय जिनश्रेनिकलन मुक्तगामिनो ॥ ——— ॥ सुरहश्रीतस्पर्उ

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

स्पेन ॥५॥ रमनकुवारु ॥१॥ २५॥ रेजकुवारु पातलु ॥२॥ ॥१२॥ रैन
रेजुः धारुवडी ॥३॥ ॥६०॥ उल्लरेजु उरहूवरडी ॥४॥ ॥२२॥ उमैरेजु
प्रदेस ॥५॥ ४४॥ सुवनी ॥२॥ सहजश्री ॥१॥ साहश्री ॥२॥ अन्ने
यजिनस्तेनिकलनमुक्तगामिनो ॥ ॥ सहउत्पेन्नन्यान
श्री अर्जिकापदत्तारतत्तरन ॥ सहयारश्री तस्उत्पेन ॥५॥ चेयरं
नंदकुवारु ॥ चौदरीनीमा ॥ ७८४ ॥ अनकुवारु संघडु ॥११४
उल्लकुवारुउडडु ॥८४॥ सिवकुवारु मिलने ॥३०७॥ धुवकुवारु
मिलने ॥१११॥ सुवनी ॥३॥ नृतश्री ॥१॥ नीलश्री ॥२॥ निल
यश्री ॥३॥ अन्नोयजिनस्तेनिकलनमुक्तगामिनो ॥
सहयारश्री कीवहिने ॥२॥ स्कंधश्री ॥१॥ मिलनश्री ॥ मिलनसूत्र
२॥ अस्कंधश्रीतस्पउत्पन ॥५॥ विलस कुवारु वैदनु ॥३०८॥
कनकलुवारु रैदनुः ॥१०१॥ निलैरेजु ॥८४॥ उत्पनकुवारुउस

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

वारू ॥१६४॥ साहिकुंवारू मिलने रा ढेडरू ॥१६४॥ सुवनी २
सहजरूवा ॥ सहसरूवा ॥ २ ॥ अनोपजिनश्रेनिकलनमुक्त
गामिनोः ॥ ——— ॥ मिलमूवातस्पर्डत्सव ॥ रैसिकुंवारू
रत्ना ॥२८७॥ सिवकुंवारूरैदनु ॥३१॥ विमकुमार ॥७४॥ रंज
कुमारमिलने ॥ ८६ ॥ रंजरमनुराजा ॥१॥ रैनकुमारवंम्हो ॥
२ ॥ रैनकुवारूरूपा ॥३॥ ममलरूवा कुंवारि ॥४॥ विगसरूवा
वैदो ॥५॥ चैयरूवा चांदो ॥६॥ अल्परूवा आमिन ॥७॥ पीय
रूवा पांचो ॥८॥ मुक्तरूवा पांचो ॥९॥ महार्डत्सव स्नानश्री
अर्जिकापट तारनतरन ॥ रंजश्रीतस्पर्डत्सव ———
महार्डत्सव स्नानश्री अर्जिकापट तारनतरन ॥ रमनश्रीत
स्पर्डत्सव ——— महार्डत्सव स्नानश्री अर्जिकापट तार
नतरन ॥ ईवनश्रीतस्पर्डत्सव ——— ईवनश्रीकीव

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0 In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

सतसर्द्दः ॥ ३ ॥ मलयश्री ॥ परसश्री ॥ पदमश्री ॥ ३ ॥ पदमश्रीअन्तो
द जिनश्रेनिकलनमुक्तगामिनोः ॥ ६ ॥ मिलनकुंवारुमदनचंदेरी ॥
१ ॥ लीनकुंवारुचंदेरी ॥ २ ॥ चेतकुंवारुचंदेरी ॥ ३ ॥ लषनकुंवारुचंदे
रीः ॥ ४ ॥ रूपकुंवारुः ॥ ५ ॥ सिवकुंवारुप्रेदस ॥ ६ ॥ सुवनी ॥ ३ ॥ नील
श्री ॥ निलैश्री ॥ रंजश्री ॥ ३ ॥ अन्तोयसुवनजुडिलश्रीयो ॥ जि
नश्रेनिकलनमुक्तिगामिनो ॥ ॥ महाउत्सवन्या
नश्री अजिकापदतारनतरन ॥ विपनश्रीतस्यउत्पन ॥ सुवनरं
जुथिरु ॥ १५७५ ॥ रूपरंजु ॥ ११४ ॥ पदमरंजु ॥ १८७ ॥ सुवनीरू
पसिरी ॥ १ ॥ सुवनश्री ॥ २ ॥ विपनश्रीकीवहिने ॥ ४ ॥ सतसर्ई ॥
चित्रश्री ॥ १ ॥ चरनश्री ॥ २ ॥ साहनश्री ॥ ३ ॥ नृसंकश्री ॥ ४ ॥ नृसं
कश्रीतस्यउत्पन ॥ निलैरंजुचांदनुचंदेरी ॥ १ ॥ उवनरंजुमेद
नसीचंदेरी ॥ २ ॥ घनकुंवारुवेदनु दैउराजु ॥ ३ ॥ रयकुंवारुप्र

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

४ सुव्रनी ३ जैनश्री ज्ञानश्री लक्ष्मनश्री ३ अन्मोयजिन श्रे
निकल्लनमुक्तगामिनोः महाउत्पेन्यनश्री अ
र्जिकापट्टारनतरन मक्षल्लश्रीतस्यउत्पन २ विनैरंजु ३८
लषनुरेजु २८७ सुव्रनी २ सहश्री मैनश्री २
महाउत्पेन्यनश्री अर्जिकापट्टवियोगन्नांन विदश्रीतस्यउत्प
न्न ३ वसरमनुः १०७ नैरमनु ७७४ उत्पनकुंवारु १९४
सुव्रनी २ गमनश्री १ लषनश्री २ विदश्रीकीनैनै ३ दा
नश्री १ मानश्री धर्मश्री ३ धर्मश्रीकेउत्पंन ४ कनैरंजु
प्रदेस २३३ कलनकुंवारंदेउपति १९ उक्तंरेनुउडनु ७३२
नैकुंवारुजिना १७२ सुव्रनी २ सहजश्री १ साहश्री २
अन्मोयजिन श्रेनिकलनमुक्तगामिनोः मानश्री
तसंउत्पेन्य ५ नंदकुंवारुनरपति १ नृतकुंवारुनरसिंघु २

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

२॥ कलनश्री॥ कल्यश्री॥ २॥ अन्मोषजिनश्री॥ लक्ष्मुलगामि
नो॥ ——॥ महाउत्सवन्यानश्री॥ अर्जिकापयोग तारनतर
न स्मैश्रीतस्यउत्सव॥ सुव्रनरेजु॥ ३७६॥ सहजरेजुपंचाइनु
२३१॥ सकलरेजुप्रदेस॥ ३३६॥ सिवकुवारुप्रदेस॥ १८४॥ जिन
कुवार॥ ८३॥ सुव्रनी॥ नृतश्रीनैना॥ १॥ जानश्रीजीवा॥ २॥ रेज
श्रीवेदी॥ सहकुवारसहस्र॥ १॥ सधुवश्रीत सतसई॥ लषनकु
वारुलालो॥ जात्यकुवारजौन सी॥ सप्तलकुवारु॥ महाउत्स
व्यन्यानश्री अर्जिकापयोग॥ तारनतरन॥ सुनेदश्री॥ तस्यउत्स
व्य॥ अन्मोषविमनत्रेनि॥ अन्मोषरेजु॥ षेउपीति वरदी॥ निलै
रेजु चोइनुषंजेहौ॥ ३७७३॥ अनैरेजुचांदा॥ ७ ३५॥ कुंकाव
ली॥ २४२॥ उव्रनश्रैनि॥ ८ च॥ जिनरमनुहोली षाम्दषेदौ
सुव्रनी॥ रमनश्री॥ जानश्री॥ चुव्रनश्री॥ ३॥ चुव्रनश्री की

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

बहिने ॥ ४ ॥ उल्लवश्री ॥ उर्धश्री ॥ उनंदश्री ॥ ४ ॥ सुवनश्रेनिराजा ॥
सोउवनश्रीरानी ॥ तस्पउत्पनसत्तसई ॥ उल्लवश्रीउत्सव्य ॥ रमन
श्रेनिरेदनु ॥ धनकुंवारुधना ॥ जैकुंवारुजैपति ॥ विनैरंजुवसाउनु
वदनकुंवारुवैदू ॥ सुवनी ॥ २ ॥ निष्टश्री ॥ पियश्री ॥ २ ॥ धर्मश्रीसत
सई ॥ नंदकुंवारुनरपति ॥ असिकुंवारुअरुइ ॥ सैनरेजुलउउ ॥ कां
तिकुंवारु ॥ तदकुंवारु प्रदेसः ॥ सुवनी ॥ ३ ॥ धनश्री ॥ धर्मश्री ॥
रतनश्री ॥ ३ ॥ उर्धश्री विमान ॥ सीयलसीइंद्रानी ॥ उनेदश्रीत
तस्पउत्पन्य ॥ ५ ॥ धुवरयनुधारवरई ॥ अनेरंनुनैउसी ॥ कनेकु
वारुठकुर ॥ अल्परंजुअर्जुनु ॥ मिलनरंजुमदनसी ॥ सुवनी ॥
२ ॥ कर्नकुवारि ॥ रमनकुवार ॥ २ ॥ अनोयजिनश्रेनिकलनमु
क्तगामिनी ॥ ॥ सुवनश्रीतस्पउत्पंन्य ॥ ६ ॥ विगस
२ नुविमलु ॥ सुवनरंजुजीवसु ॥ कनकरंजुकुवारश्री ॥ किर्नरंजक

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0 In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

मैचंदु ॥ मिलनरेजुमांडनु ॥ नेयरेजुचेदारसं ॥ सुव्रनी ॥ २ ॥ जानसूत्रा ॥ ज
ल्पसूत्रा ॥ २ ॥ अन्मोयजिनश्रेनिकलननमुक्तगामिनो ॥
रैनरेजुनृपचंदु ॥ नृत्तकुंवारुनरपति ॥ श्रीफुटकर ॥ विषकरूत्रावेमो ॥
दिप्तसूत्रादेल्हा ॥ दानसूत्रादेउमा ॥ विक्रनूत्रा विमलसिरी ॥ मानसूत्रा ॥
मानिकदै ॥ अषैसूत्रा अहिमनदे ॥ सिवरूत्रागिसारदे ॥ रैनरूत्रारात्रदे
रंजनसूत्रारूपिनि ॥ दिप्तरेजुरूत्रारहसिनि ॥ श्रीघुव्रकर ॥ पद्मनूत्रापा
चौ ॥ चूव्रनरूत्रा निषन ॥ मिलनसूत्रामूग ॥ पिप्तसूत्रापुन सिर ॥
परसनूत्रापसरि ॥ महाउत्पंन्यन्यानश्री अर्जिकापयोगनिनश्रेनि
हिपयारश्रीतस्यउत्पन ॥ अल्पकुंवारजौनसी ॥ १ ॥ जल्पकुंवाजाल
पुः ॥ २ ॥ जिनरेजुजिनदासु ॥ ३ ॥ अगरवारो ॥ हिपयारश्रीतस्यव
हिनो ॥ ४ ॥ लव्रनश्री ॥ रमनश्री ॥ ठानश्री ॥ ममलश्री ॥ ४ ॥ अन्मो
द जिनश्रेनिकलन सतसर्द ॥ सुव्रतस्य उत्पंन्य ॥ रेजुकुंवारुरजनु

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

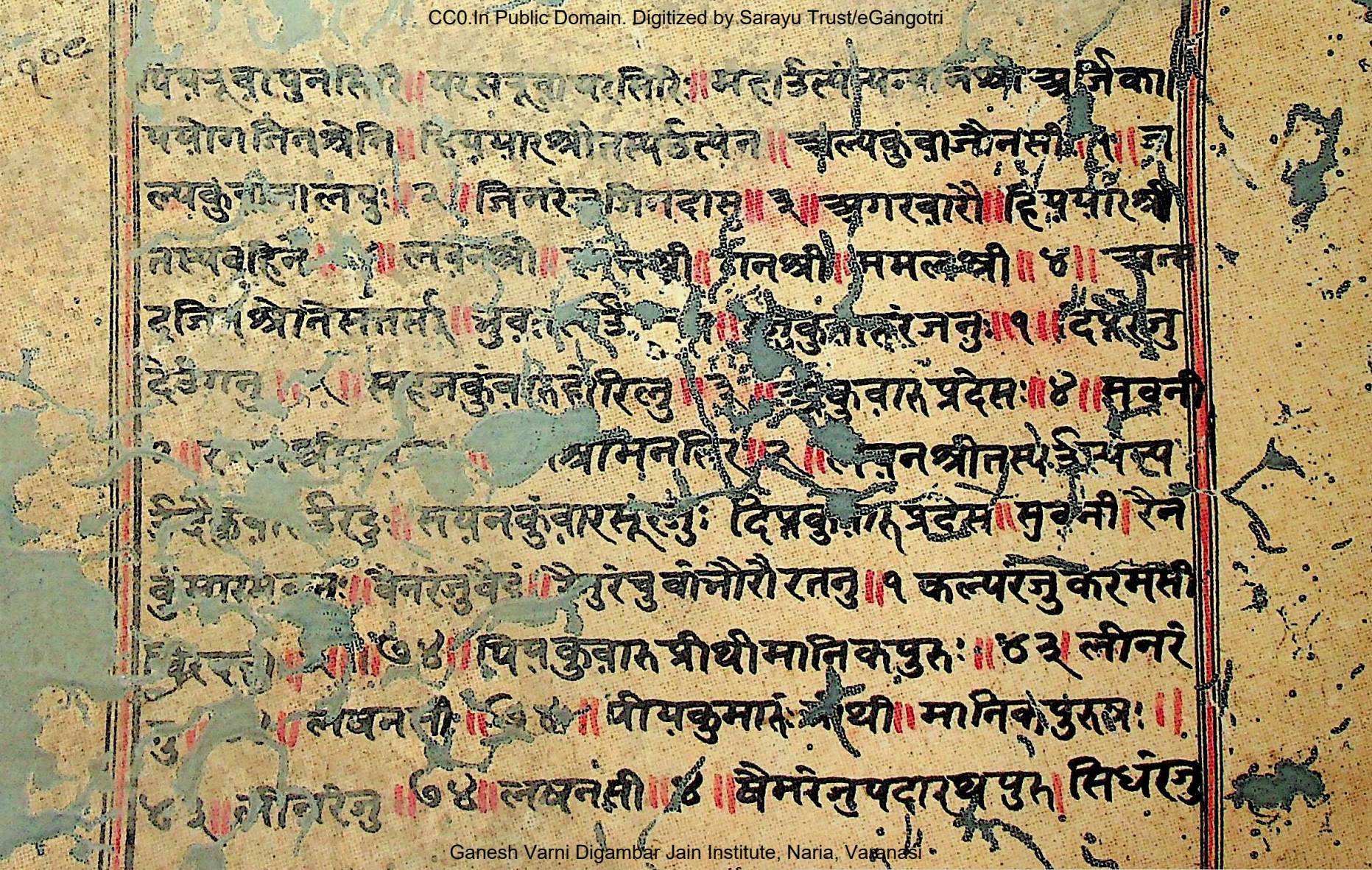

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

देस ॥ १०० ॥ गजनरेंजु प्रदेस ॥ सुवनी ॥ २ ॥ सुवनश्री ॥ सहजश्री ॥ अष
जिनश्रुतस्य उत्पत्ति ॥ ४ ॥ अबैरेंजु अनंता ॥ मैनरेंजु महीपति ॥ सुवनरेंजु
यदनश्री ॥ तिलीवुडवर ॥ धुवरेंजु दूधै ॥ सुवनी ॥ सुवनश्री ॥ १ ॥ अन्मो
दकल्परेंजु ॥ दिस प्रिये कलन जिनश्रेनि मुक्तगामनो ॥ पुलसूवात
स्य उत्पत्ति ॥ ६ ॥ वैनकुंवारसेंजु ॥ ४१ ॥ रैनरेंजु रतनरेंनसी
विरदहा ॥ ६४ ॥ सनकुवरि लखनसी विरदहा ॥ ३३ ॥ अल्परेंजु अहिम
नु विरदहा ॥ २७ ॥ [illegible] सहसू ॥ [illegible]
सुवनी ॥ रैनसूवारैना ॥ सुवननूवा निषमा ॥ २२७ ॥ जि[illegible]स
लन ॥ अन्मोय जिनश्रेनि कलन मुक्त[illegible]नो ॥ [illegible] म
हाउत्पत्यानश्री अर्तिका पयोग जिनश्रेनि ॥ ज्ञान[illegible]र्त
न ॥ मैनकुमारमानसु वडहो ॥ वैनरेंजु वेदसु मोने ॥ विस्व[illegible]न
यसर्ड तुषेडेहो ॥ ममलकुंवारसेठि सहनसी ॥ अषेकुंवार अ

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

चतेसुवनी ॥ २ ॥ रमनश्रेनिसूजेश्री ॥ वहिनेमिलनसरिरीतस्पउत्पं
न्न ॥ पदमरंजुप्रदेस ॥ मदनरंजुपूनसी ॥ ब्रधकुवार ॥ वीरसिंहसीठ
दुतियवहिने ॥ २ ॥ विस्वश्री ॥ कनकरंजु कुंवरसीषंडेहौ ॥ गंधकुवार
गनेस ॥ अतोयजित श्रेनि कलनसुक्तिगामिनो ॥ ॥ अ
नेसिरीसतसईतस्पउत्पन्न ॥ निनंदु ॥ विरदहा ॥ ४ ॥ धनरंजठ
डुरसी ॥ ४ ॥ कनौरी ॥ मिलनकुवार ॥ मनोरे पस्सौनि ॥ ३० ॥
सहकुसुनेस ॥ १ ॥ सुवनी ॥ २ ॥ मनोरीनैना ॥ १ ॥ रैनश्री
मा ॥ अन्नपदकल्परंजु प्रीपेः ॥ कलनजिननेमसुक्ति गामिनो ॥ ४
मनोरेकौउंमु ॥ विन्नावेदा ॥ हियरंजुहासौ ॥ मिलेसुवासतस
ईतस्पउत्पन्न ॥ ७ ॥ रैनकुवारसैरदनुविरदहा ॥ ३३४ ॥ हियरंजु
होली परउला ॥ ७ ॥ मिलनकुवारमाउसाजो ॥ ३५ ॥ चैलरंजु
चाउनु विरदहा ॥ ३७ ॥ वैनकुवारवेद ॥ २४ ॥ जिनकुवरुमिलनै

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

समजु ॥ तिलप श्रीसतसई तस्य उत्पन्न ॥ नियकुंवरि नैनासी ॥ दिप्पकुंवरि
रदेवी ॥ चंदु ॥ उत्तमचंदु ॥ ठकुरसी ॥ सुखनी ॥ जैनश्री ॥ जानश्री ॥ पे
मसुखा पाचौसाजे ॥ उत्तमचंदि सीरि ॥ धुवनूखा पूता ॥ कमलनूखा
कुंवरि तिरी ॥ ममलसूखा मदनासाजइ ॥ विपकनूखा घेउसिरिविरद
हा ॥ ईजीनूखा इंद ॥ गमननूखा गति वाजरोरी ॥ अषैकुंवरि उमउ
हो ॥ ॥ महोत्सवेतन्यानश्री अर्जिकापयोगजित्रे
न ॥ लषनश्रीतस्य उत्पन्न ॥ लषनश्री कोवहिने ॥ ४ ॥ रंजश्री
१ ॥ वधश्री ॥ २ ॥ पैनश्री ॥ ३ ॥ रियश्री ॥ ४ ॥ दूसरीपैनश्री केउत
पंनि ॥ रेजकुंवरि रतनसी पंचहारि ॥ पोपकुंवरि चतसेमरखेरी ॥
जिनकुंवरि प्रदिस ॥ सुखनी ॥ विपनश्री ॥ चरणश्री ॥ रियश्रीतस्य
उत्पन्न ॥ ॥ नेरजुनौराजु ॥ जैनखूखा जिनवहिने जिनमुंदरा

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

सिवकुंवारः सिवदासुः पियरीया॥ गमनरेजुः अनुरमनरंजुउ॥ हिय
रेजुहंसराजु॥ जिनयः श्रीसतसरतन उत्पेन्य पियकुंवारनैनसी॥ दीप
कुंवारदेउंचेउः॥ इक्कनेदठकुरसी॥ सुखनी॥ जैनश्री॥ जानश्री॥ पेमा
सूवापोचौ साजै॥ उक्कउंडवाउंदै सिरं॥ धुवनूवाधूत्ता॥ कमलनूवात
मलरिश्री॥ मदनसूवामदनसाजर॥ पियकनूवापै सिरं विरदहा
ईजिनूवाइदाग॥ गमनतूवागतिवाजोरी॥ अषेकुंवारआइमजो
डा॥——॥ महाउत्पेन्यनश्री अजिकापयोगजिनश्रेनि
लषनश्रीतस्यउत्पेन्य॥ लषनश्रीकीवहिने॥४॥रेजश्री॥१॥
रेजश्री॥१॥ब्रधश्री॥२॥ पेतश्री॥३॥ रिधश्री॥४॥ दूसरीपेन
श्रीकेउत्पेन्य॥ रेजकुमाररतनसीपचहार॥ पियकुमारपतसेमर
षरी॥ जिनकुंवारप्रदेस॥ सुखनी॥ पियनश्री॥ चरनश्री॥ रिधश्री
तस्यउत्पेन्य॥ अजैराजुजोराजु॥ जैनसूवाजिननंदनमुडीय

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

म॰ ईत्सव॰ न्यानश्री॰ अ॰ जिका॰ पयोग॰ सहज॰ श्रीतस्पउत्सव॰

म॰ ईउत्सव॰ न्यानश्री॰ अजिकापयोग॰ सहजश्रीतस्पईत्सव॰

म॰ ईउत्सव॰ न्यानश्री॰ अजिकापयोग॰ सहजश्रीतस्पउत्सव॰ रा॰ सि॰ क

ल्पकुवारु कुवरः ॥११३३॥ सिवकुवारु सिवदासु ॥७२॥ धुवकु

वारु प्रदेस ॥३३२॥ जैकुवारु प्रदेस ॥२८४॥ सुवनी ॥ रमनश्री ॥ वि

मलश्री विमल ॥ वानवश्री ॥ अन्मोहकर्नकुवारः ॥ सुवनकुमारः

कुंउरिराजुः ॥६८४॥ रमनरेजुसमोषसुः ॥३३५॥ चंद्ररेजुः ॥३३

रयणकुवारु प्रदेसः ॥३०७॥ सहजन्न वासेउसिरी ॥ कल्पश्रीकुवर

॥ अन्मोयजिनश्रेनिकलन मुक्तगामिनो ॥

कलनजिन ॥ रयकुवारु आसमलु ॥ सुवनी ॥ २ ॥ लाउश्री ॥ १ ॥ स

यनश्री ॥ २ ॥ कनकुवारु कर्मचंदु ॥ हियरेजुहंसराजु ॥ नंतश्री अ

नंतय ॥ पयउवन श्रीपयोगः मिलनश्री जनश्रेनि ॥

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

वि ॥ श्रीवीरा ॥ कनकश्री कारमावरडी ॥ सहजरंजु जैपा ॥ ३ ॥
हजश्री कीवहिनै सतसई ॥ ४ ॥ अगमनूवा ॥ १ ॥ पैनन्वा ॥ २ ॥ अ
नपावती ॥ ३ ॥ पीयरमनसूवा ॥ ४ ॥ पियरमनरुवा ॥ ५ ॥ इन्ड
५ ॥ इंछकुंवारुछीतरु ॥ ८४ ॥ विगसकुंवारु दिमलु ॥ ७४ ॥ सह
जकुंवारुछीतरु ॥ वेउराजु ॥ ३४ ॥ मिलनरंजुमहाराजु ॥ ५
रंजनरंजुसारचंदु ॥ ४२ ॥ अपकुंवारुप्रदेस ॥ १९८ ॥ सुवनी ॥ २
सयनन्वा ॥ विपनन्वा ॥ २ ॥ अन्नो म जिनश्रेनिकल्पनमुक्त
गामिनोः ॥ ॥ अलसावतीतस्पडित्यन्म ॥ ९ ॥ सहकु
वारुसहनसी ॥ २८ ॥ अगमकुंवारु जिना ॥ ४ ॥ तिवकु
वारुमहनसी ॥ सत्पकुमारमानिकुः ॥ ८४ ॥ सहजरंजुमहेसु
८१ ॥ उत्तरंजुप्रदेस ॥ १७ ॥ सुवनी ॥ कल्पनुवा ॥ १ ॥ अन्नो

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

...स्यउत्सवेन्य ॥४॥ हियरमनंरजुहमीरु ॥५॥ विलसरु नरी
सिंधु ॥२॥ छीहरेजुछीतरुहोर ॥३॥ कलनकुंवारुछीतरु ॥४॥ सुवनी
रु ...तरूवा ॥ जानरूवा ॥२॥ अन्मोय जिनश्रेति कलनमुक्तगा ॥
नो ॥ ...ल्धरंजुलोडूं ॥ पियकुंवार परसः धरनरूवा म
र्म ॥ रमनरूवारमनसिरीः ॥ षेमरूवा पद्मा ॥ म
उत्स...न्यानश्रीचन्द्रिकापयोगतारनतरनपयईवनश्रीतस्यउ
त्सवेन्यः सुवः ॥५॥ अल्परंजु ॥ परसकुंवारः ॥ अगमरंजु ॥ धर्मर
ज्ञ ॥ कल्पकुंवारराइमलुः ॥५॥ सुवनीवहिने ॥३॥ रमनश्रीउत्स
व ॥ मैनकुंवारः ॥ ममलकुंवा ॥ साहिकुंवारश्री ॥ सिवकुंवार
वीरदास ॥ वयनश्रीतस्यउत्सवेन्य ॥ दर्सरंजुदेउराजु ॥ नरूकुमार
मनाः ॥ सुवेनकुंवारदेउदासुः ॥ सनकुंवारुप्रदेस ॥ अलखश्रीत
स्यउत्सवेन ॥ जैकुंवारु जिना ॥ ममलरंजुनापलुः ॥ कुंवरप्रदेसः ॥

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

अतर्ग पैनरमलु ॥ अमृश्रीतस्यउत्पन्ना ॥ ५ ॥ सकल
र्णदरेजुप्रदेसः ॥ नमलकुवरमनसुखः ॥ धुरंरमनप्रदेस ॥ वयकुमार
पदेसः ॥ वहिनेडुमातरूपसिरी ॥ सुतनी ॥ ३ ॥ रेजश्रीरमनश्री ॥ लक्ष्म
लक्ष्मनश्री ॥ ३ ॥ वयलश्रीकी पुत्रीवदनश्री ॥ नयनश्री ॥ सहजश्री ॥ र
श्रीकीवहिनेविमाल ॥ जैनश्रीतस्य पुत्रः ॥ फुंदरकानाम ॥ ि
नरेजुहरदासु ॥ रैनरेजुदैउदासुः ॥ अल्परेजुत्रारू ॥ अैसेरेजुश्रा
समलु ॥ रयनकुवरः रामचंडुः ॥ उत्तरेजुदेउचेडुः ॥ सहजुलाभ
श्रीपति ॥ कमलरेजुकारमसी ॥ मिलन रेजुमहनसी ॥ रूचरेजु
रूपा ॥ दिप्परेजुदीपचंडु ॥ अषयरेजु आसमलु ॥ कलरू
वरपारु ॥ अन्मोयजिनश्रेनिकलनमुक्तगामिनो ॥
यरगश्रेनिं राजा तस्यपुत्री ॥ सिपकश्री ॥ सर्वापरंडितश्री ॥ प
योगं अन्मोयजिन श्रेनि स्वर्गमई ॥ तस्यउत्पन ॥ ४ ॥ पपकुमार

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

चा ॥ साउकुरसीपुरः सुव्रनी निर्लेश्री ॥ विरोह अनंत चेचंद्रा
विविलंमनउत्पन स्मै ॥ अन्मोयजिनश्रेनिकलनमुक्तगामिनो ॥
श्रुन्मो पुत्ताहश्री येरुइ जिनि ॥ विजैश्रेनिराजाः तस्यउत्पन्य ॥ नंद
श्रीतस्यउत्पन्य ॥ सुनंदश्री ॥ सहास्वजुजंघराज ॥ अन्मोयजिन
श्रेनि तस्यउत्पनं ॥ ३ ॥ वजुजंघराजा तस्यउत्पनः ॥ नृतामैप
राज ॥ तस्यपुत्रीप्रेमसीः ॥ अन्मोयजिनश्रेनि तस्यउत्पन्न ॥ नि
नरेंद्रचंदुनु ॥ चंद्ररेखुवीरा ॥ २ ॥ त्रैलरंजुसिउदासु ॥ दिनकुन्य
वैम ॥ सुव्रनीः ॥ मैनश्रीकौराः ॥ सषीउत्पन्य हर्षश्री ॥ हरसेरेखु
श्रीवै ॥ २ ॥ विसा अन्मोयः जिनश्रेनिकलनमुक्तिमनो ॥
धुवश्रीराजा ॥ पदमश्रीरानी ॥ तस्यउत्पन्य ॥ रमनचंदुंरूपउ
क्षिमनचंदु पदेव ॥ तस्यराजउत्पन्यविरोध ॥ सुव्रनी ॥ कर्नश्रीसयं
सुयंवरन ॥ रमनश्री रक्षअन्मोद ॥ रमनचंद्र ॥ अगमन

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

वर्नीश्रीसुपार्श्वजिनश्रेनिरमनश्रीअरजिनोद्॥रमनश्रेनेरु॥ध्यास
नूरवातस्पर्डित्यंन॥मिलनकुरवारुहरसिंधुः॥अन्मोयजिनश्रेनिव
तनमुरुगालिनो॥॥पियकुमारप्रथ्वी॥गमनकुमारप्यानचं
द्रे॥कर्मचंदुकौवेदा॥जिनरेनुश्चमितुः॥सुवनरेनुमानुचंडः॥नि
मलरेनुरेनासी॥विपकरंजुयमउः॥श्रीसुवनसुवाजनाः॥षि
पकूरवावैमा॥सिलनूरवासिंगारदेः॥विनैसुवाविंदा॥दिनूरवा
छीताल॥लध्वसूवालादो॥अगमावली अगमा॥अलथा
वती अजैश्री॥अमैरवानीयमदे॥विलूरवाविजैश्रेनि॥न्र
नूरवानैना॥सूवनूरवाषेमा॥विलसनूरवावैदा॥साहूलूरवा
हरति॥जिनपूरवाकुरसी॥विनयूरवाविजैश्रेनि॥नेदूरवा
नैनश्रं॥रंजनूरवाराजल॥अलथनूरवाओठारं॥पूरवाधनश्री
रंजराउराजा॥उल्काकमल॥अन्मोयजिनश्रेनि॥रमुअप

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

अगमा वती अगमा ॥ चूलषावती अनेश्री ॥ अनेनूवा नीलम्दै ॥
विक्तनूवाविनेश्र ॥ नृतनूवा नैना सूवननूवावैना ॥ विलसनूवावेदा
साहनूवासाहश्री ॥ जिनयनूवाठकुरश्री ॥ वयनूवाविनेश्री ॥ नंद
नूवानैनश्री ॥ रजनूवारत्ना ॥ अलषनूवाआडर ॥ धनूवाधनेश्री
रंजराऽराजा ॥ ऽऽनाकमल ॥ अन्मोयजिनधेनि ॥ नामुचलपत्नी
स्पऽत्सनः ॥ आर्विरनरंजुः ॥ तिलैरंजुः ॥ सहकुमारः सहजोपनीतान्ना
प्रदेसः ॥ वृद्धचचक अन्मोयः ॥ रिष्टसहकुमारः ॥
विगतश्री सतसई तस्पऽत्सन्य ॥ ५ ॥ मैनरंजुवसाऽनुः ॥ ६४ ॥ वि
गसनुनारकुवरः ॥ ८४ ॥ नीलरंजुः ॥ ६६ ॥ सीलरंजुतिलात ॥
१९२ ॥ प्रसरंजुप्रदेस ॥ ३०७ ॥ सुवनी ॥ २ ॥ साहश्री ॥ १ ॥ सील
श्री ॥ २ ॥ वैनरंजुवैदनु ॥ ऽवनरंजुधनपति ॥ छिडुला ॥ २ ॥ कन
कश्रीसतसई तस्पऽत्सन ॥ २ ॥ वलिकुवारवसाऽवन ॥ वैसरेः

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

वस्तउनुः ॥ चन्नोयरंजिनेनि कलननमुनः गामे नो ॥
फुटकरना मः ॥ चन्नोयरंजुउदे ॥ हियरंजुमहराजु ॥ जैरमनजैकुं
वरः ॥ कनकरंजुकुंवर ॥ कल्परंजुकुवरः ॥ कलनतादे पिंजिनु
धनकुवारः ॥ नंदरंजनेमदेउ ॥ वयनरंजु चरंजुनु ॥ विगसरंजवि
रमु ॥ धर्मरंजु धनपालः ॥ गुप्तकुमारगोपी ॥ मित्तनरंजु दानु ॥ दि
प्पंरंजुदेउगनुः ॥ नाउरंजुनो गीपाडे ॥ जयनश्रीजासो ॥ चनेश्रे
नाउश्री ॥ लवनश्रीलखूरा ॥ लहुनतश्रीनाउश्री ॥ कल्पश्रीव
मी ॥ लीनश्री ॥ लखनश्री ॥ उवनश्री ॥ चुवनीमैनकी वेटी ॥
लीनश्री ॥ चुवनश्री उजरी ॥ रयनश्री रतनासिके रपुरः ॥ त्रैकुम
रचत्रसपति ॥ हियरमन रूपा हीरा ॥ पैपालुरंजु कीमहतारी ॥ प
टमचूपाः ॥ विमनश्रेनिकीवेटी ॥ उलसनरूपा चंदसिरीः ॥ विनेनरूपा
विनैश्री ॥ विमलश्री ॥ वैमश्री ॥ पुरइसिंघनुः ॥ चेतश्रीचंदा ॥ म

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0 In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

वलि कुवार वसनुः ॥ वसरेनु वसाउनुः ॥ अन्मोय जिनश्रे निकलन्त्र
मुक्तगामिनो ॥ फुटकरनामः ॥ अन्मोयरजुउदै
हियरेनुमहाराजुः ॥ गमनरेनुजेकुमार ॥ कानकरेनुकुंवरः ॥ कल्परे
नुकुमार ॥ कलभृतादि अनिनुः ॥ धनकुमार ॥ नंदरेनुनिमलेउः
वयनरेनुवनु ॥ विगसरेनुविरधनुः ॥ धर्मरेनुधनपाल ॥ गुप्तकुमर
गोपी ॥ मिलनरेनुचोदनु ॥ दिअरेनुदेउगनु ॥ जाउरेनुजोगीम
डे ॥ जयनश्रीजासो ॥ अचैश्रीजाउश्री ॥ लवनश्रीलखूवा ॥ ल
हुअनश्रीजाउः ॥ कल्यश्रीमकमी ॥ लोनश्री ॥ उवनश्री ॥ चुवनी
भैनकीवेटी ॥ लोनश्री ॥ चुवनीसिरउजकी ॥ रयनश्रीरतना
दिकारपुर ॥ उधैकुमार असपति ॥ हियमनवा ॥ चैपालरेजा
की मदतारी ॥ पदमवा ॥ धमनश्रे निकीवेटी ॥ उलसनवाचे
दश्रेनि ॥ विनेवा विजैश्रेनि ॥ विनैसिरी ॥ विमलश्री ॥ क्षेमश्री

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

पुरसिंधमि ॥ चेतश्रीचंद्रा ॥ मलेश्रीमतो ॥ तत्वश्री कंपुरा ॥ अनइकी
इजा ॥ कंपूराकुंवर रैलूकी इजा ॥ पियत्रापदमश्री ॥ अल्पनव
अभिनउपनकीवहिनः ॥ सिकारपुर ॥ मुक्तस
वा ॥ तस्यउत्पेन्य ॥ ५ ॥ वीरचंदुवीरदासुः ॥ धुवलरंगुधनराजुः ॥
सुवनरंजुसमोसु ॥ सकलकुमारप्रदेस ॥ साहकुमारदासे ॥ ५ ॥
सुवनी ॥ २ ॥ रेजश्री ॥ १ ॥ सिवश्री ॥ २ ॥ अन्मोयजिनश्रेनिकलन
मुक्तगामिनो ॥ रैनश्रीतस्यउतस्यउत्पन ॥ ४ ॥ मैनरंजु
हरिषुचंदु ॥ हैमकुमारदास ॥ दर्सरंजुप्रदेस ॥ ४ ॥ अन्मोयजि
नश्रेनिकलनमुक्तगामिनो ॥ पदमश्रीतस्यउत्पन्ये ॥ ४ ॥
विमलरंजु ॥ मेघरंजु ॥ चेकुमारवीरदनुः ॥ कनकुमारकरमसी ॥ ४ ॥
सुवनी देठसिरी ॥ अन्मोयजिनश्रेनिकलनमुक्तगामिनो ॥
पदमश्री तस्यउत्पेन्य ॥ ५ ॥ सवकुमारलीतसुः ॥ रैनसवासिन

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

सारंगु नसारंगु ॥ सिउरंजु ॥ रमनरूवा: ॥ रंजनरूपिनसिनिस ॥ ऋ
नैनरूवा नेउसिरे ॥ मैनरूवाछीता ॥ नृतरूवानैनश्री ॥ षिपकनरूवा
वेमा ॥ विनयरूवा विजैश्री ॥ वैनरूवावीरादे ॥ पदमनरूवापूषा
लीनरूवालिढसि ॥ पीमनरूवापूरा ॥ ममलनरूवामहासिरी ॥ ऋ
हमदपुरु ॥ रंजनरूवातस्पर्डत्यंन ॥ ३ ॥ चेपनरूवातस्पर्डत्यंन्य ॥ विनै
रंजुवीरा ॥ १ ॥ रैरंजुजिना ॥ २ ॥ सुवरंजुप्रदेस ॥ ३ ॥ ऋन्मोयजिनके
निकलनमुक्तगामिनो: ॥ ——— ॥ इटाएकी श्रीनुवनश्रीसो
मनाः ॥ हिमरमनरूवारसरन ॥ कर्मनरूवाकुरश्री ॥ निलैनरूवाने
ना ॥ रवरूवारूपन ॥ वैनसरूवावैदारांजु: मनी ॥ रैनरूवा रंज
नरूवार पा ॥ रमनसरूवारूपिमि ॥ वैनसुवावैदारमती ॥ रैनरूवा
रंजनरूवापारु ॥ रमनसरूवारूपनिस्वापारे ॥ सैनरूवासिंगारदे ॥
सिरूवाकुरसिरी ॥ गमनरूवागढा ॥ मलनरूवामहाश्री ॥

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Narla, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

रेनकुवारनश्री ॥ विपनकुवा वेमराजु ॥ जानकुवाजैमाला ॥ अषैकु
वा षामिनि ॥ सुलषकुवासुदगा ॥ रंजकुवाराजमति ॥ वेमकुवापरमा
दे ॥ कामसुवाक्रमी ॥ अनैकुवा जीवा ॥ लीनकुवालषमा ॥ चं
नकुवादंतमा ॥ मैनकुवामदना ॥ दानकुवादैना ॥ धनसुवाधन
श्री ॥ अल्पकुवा आस ॥ रैनरंजु राजा ॥ सा हरंजु राइसी ॥ सील
कुवासिंगारदे ॥ विलसरंजुविदनु ॥ रैनकुवारामश्री ॥ लीलकु
वालाडो ॥ रैनकुमार राइमलु कूंडा ॥ नृतकुमार नेनकूंडो ॥ छ
गमनश्रीतस्य उत्पन्न ॥ ५ ॥ रयनकुमारकुपचंदु ॥ १ ॥ विपकरे
जुवेउपति ॥ २ ॥ धनकुमार धनपति ॥ ३ ॥ रैनकुवाररतनसी
४ ॥ सिवकुवारप्रदेस ॥ ५ ॥ सुवनी ॥ २ ॥ लोनकुवा ॥ चुवनकु
वा ॥ २ ॥ छ अन्मोय जिनश्रेनि कलनमुक्तगामिनो ॥
सिवश्रीतस्य उत्पन ॥ ४ ॥ पिपकुमार ॥ १ ॥ अल्परेनु अनकु

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0. In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

दिप्परंजुदेउचंदु ॥३॥ पदमरंजुपदार्थु ॥४॥ अन्मोयजिनश्रेनिकल
नमुक्तगामिनो ॥ तवश्रीकेउत्सन्य ॥५॥ सुवनरंजुनी
लमु ॥१॥ जलनरंजुजालपु ॥२॥ मैनरंजुमहेसु ॥३॥ ४४ २४ ॥
चरनरंजुचांदनु ॥४॥ २१ ॥ सिवरंजुप्रदेस ॥५॥ ६४ ॥ सुवनी ॥२॥
वित्तश्री ॥१॥ सहश्री ॥२॥ अन्मोयजिनश्रेनिकलनमुक्तगामिनो ॥
॥ व्रतश्रीतस्पउत्सन्य ॥५॥ धंनरंजुघाटमु ॥१॥ उल
धरंजुउरदू ॥२॥ कल्परंजुकरमंचंदु ॥३॥ रूवरंजुरामु ॥४॥ धर्मरं
जुप्रदेस ॥५॥ सुवनी ॥२॥ नीलश्री ॥१॥ व्रतश्री ॥२॥ अन्मोयजिन
श्रेनिकलनमुक्तगामिनो ॥ अगमश्रीतस्पउत्सेन्य
४॥ उत्तरंजुउउडुतमइनि ॥१॥ चेयरंजुचांदनु ॥२॥ धनरंजुदकुर
३॥ मेघरंजुमाडा ॥४॥ सुवनी सुत्सश्री ॥ अन्मोयजिनश्रेनिकल
नमुक्तगामिनो ॥ अलषश्रीतस्पउत्सेंम ॥४॥

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

वैनरुवामू ॥१॥ मूलरेजुमहनसी ॥२॥ पियनरंजुषेडराजु ॥३॥ जिन
कुवारू प्रदेस ॥४॥ ॐमोय जिनश्रेनिकलन मुक्तगामिनो ॥
फुटकरनाम ॥ रैनरुवासैठिनि ॥ रतनश्री ॥ मैनरुवामूगा ॥ दानरू
वादेउला ॥ पियरूवापदमा ॥ ममलरूवामदनश्री ॥ रमनरुवार
मनश्री ॥ मैनरूवामूगा ॥ दानरूवादेउला ॥ पियरूवापदमा ॥
ममलरूवामनश्री ॥ रमनरूवारमश्री ॥ गमनरूवागमनश्
री ॥ रंजनरूवारश्री ॥ मिलनरूवामनश्री ॥ ॐगमरूवागमा
जल्परूवाजस्मा ॥ लवननरूवालाडो ॥ रूवरूवारूपा ॥ मेघरुवा
मेहना ॥ ॐमोयजिनश्रेनिकलनकनमुक्तगामिनो ॥
फुटकारनामपुरिस ॥ पियकुमार पुनसी ॥ नंदकुमारनान्है ॥
उक्तरंजुचौधरीजला ॥ उक्तरेउकुमारंजउनु ॥ वेगसरेजु मीषमु
वीपकुमार षेउपति ॥ रतनसी ॥ नीलरूउत्पन्न ॥ मैनरंजुमा

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

उनु ॥ रतनश्री ॥ कमलकुंवर पंचासनु ॥ अगमकुमार [illegible] ॥
[illegible]करंजुषेउपाती ॥ दैउराजु ॥ रैनकुमाररतनपारु ॥ सुननरंजुठकुरसी
मानिकु ॥ दिप्परंजुदेउसीआढु ॥ जिनरंजुठकुरपदवारी ॥ कनकरंजु
पदवारी ॥ कल्पकुंवरु जैसी ॥ अमरहरिषरंजु ॥ हरिदासासिंघरु ॥ जै
कुमारजसराजु ॥ जानरंजुजैतसी ॥ सुवनकुमारमांडनु ॥ सकलरं
जुदैसी ॥ रमनकुमाररतनसीहोरिलु ॥ हियरंजुहोरिलु ॥ म
दनु ॥ सहजकुमारसहसु ॥ दर्सकुमार देउराजु ॥ अमरकुमारनी
षा ॥ उडनरंजुउडहषेउ ॥ हरिसरंजुहरिगनु ॥ पैरमनुपदमसी ॥
जैतुजल्परंजु ॥ जिनकुमार ॥ सीउकसाह ॥ उधरंजु ॥ दिप्पकुमार
दैउरादासुहु गागिरी ॥ आपसुवनपातरे ॥ राइरंजुराइचंडु ॥ क
नकुमारकेसी ॥ सहजरंजुसाही ॥ साहिमिल ॥ अल्पकुमार आ
रसी ॥ सिवकुमार सिंगारसी ॥ पियरंजुपमारसी ॥

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0 In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

श्रीकुंडकरनाम ॥ हीरेजुत्रा हांसो ॥ लीनसूत्रा लखनसी ॥ सुवन
सूत्रा सोना ॥ गमनसूत्रा गोना ॥ भुवनसुत्रा नाथसिरे ॥ कमल सू
त्रा कौरा ॥ अल्पसूत्रा अमा ॥ कलनसूत्रा काडरो ॥ राजसूत्रा डी
ना ॥ कमलसुत्रा कुंसया ॥ हंससूत्रा हांसो ॥ धनसूत्रा धनश्री ॥ वि
लासूत्रा विमला ॥ केसो ॥ रजुसूत्रा रासी ॥ विनेसूत्रा विमला ॥ के
सो ॥ रजसूत्रा राश्री ॥ विनेसूत्रा ॥ पियसूत्रा पीथी ॥ विगसनसूत्रा दि
दा ॥ अगमसूत्रा अनेश्री ॥ अभैसूत्रा अहिमनदे ॥ हरससूत्रा
हांसो ॥ मदमसूपापदमा ॥ ——— ॥ तुमरनि सिव
श्रीतस्पउत्पन्न ॥ ५ ॥ अल्पकुमार ॥ २१ ॥ वयनकुमार ॥ २३ ॥
पीयकुमार ॥ १४ ॥ जानकुमारजारपुः ॥ १४ ॥ रैनकुमार प्रदेस
च ॥ सूवनी ॥ २ ॥ धर्मश्रीतस्पउत्पन्न ॥ ४ ॥ धर्नकुमार धर्मसी ॥ २४
कलनकुमारु लालु ॥ ३७ ॥ कर्नकुमारकान्हा ॥ १७ ॥ अल्पकुमा

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

अमरसी ॥१६॥सुव्रनी॥२॥सकलश्री॥१॥अन्मोयजिनश्रेनिक
ल्ननमुक्तगामिनो॥——॥साहश्रीतस्यउत्पन्य॥५॥सुव्रन
रेजुराज्॥६४॥अैकुमार अहिमनु॥२२॥तिव्रकुमारवकुरसी॥१२
सुव्रनकुमारुन्नीषमु॥६॥रमनकुमारप्रदेस॥४१॥अन्मोयजिन
श्रेनिकल्ननमुक्तगामिनो॥——॥राचश्रीतस्यउत्पन्यः॥४
उत्तरेजुउडुड्॥३५॥अनेरेजुनेउडेसी॥३६॥हरिषकुमारहरि
गनु॥७४॥वयनकुमार॥२५॥सहकुमारप्रदेस॥५॥सुव्रनी
२॥निलेश्री नीलश्री॥२॥अन्मोयजिनश्रेनिकल्ननमुक्तगामि
नो॥——॥रमनव्रतास्पउत्पंन्य॥४॥षिमनव्रता॥१॥निले
रंजुनाथ्॥२॥षिपककुमार॥३॥लीनरंजुप्रदेस॥४॥अन्मोय
जिनश्रेनिकल्ननमुक्तगामिनो॥——॥हरिषव्रतारलो
रंजव्रतारातौ॥समव्रता महाश्री॥कनकव्रताकनकः

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

कुंथरि॥ विपंकरणा वेउश्री॥ फुटकारिमे ग्रोतस्पउत्पन्न॥५॥
सुवनकुमार॥ जैरमनुजगा॥ हिप्पकुमार हरिपति॥ दिनकु
वारुवेदसी॥ अग्गमकुमारप्रदेस॥५॥सुवनी॥३॥ उवनसू
वा॥रमनसूवा॥सदहसूवा॥ ३॥ अन्मोयजिनश्रे निकलन न
मुक्तगामिनो॥——॥पिय सूवातस्पउत्पन्न॥६॥ सयन कम
रारचेउ॥ ममलकुमारप्रदेस॥६॥सुवनी॥३॥मैनकुमारम
हनसी॥ सिवकुमारश्री चंउः॥ ममलकुमारप्रदेस॥६॥सुवनी
३॥ अत्यसूवा अमरसिरी॥ कल्यसूवाकुमरदे॥ दित्तसूवा
प्रदेस॥३॥ अन्मोयजिनश्रे निकलनमुक्तगामिनो॥ अग
मजातस्पउत्पन्न॥४॥ विपकरेजुवेउपीत॥ उक्तकुमारउ
देसी॥ हरषकुमार॥ रैनकुमार प्रदेस॥४॥ सुवनीरंजनसूवा

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0 In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

॥१॥ ॐन्मोॅ॰जिनश्चेनिकलनमुक्तगामिनो॥ धुव॰उ॰न
॰॰॰

CC0 In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

धुरनूवातस्यउलेन्य ॥ २ ॥ मेघरंजुमदनसी ॥ ४४ ॥ सीलरंजुश्री ॥
३२ ॥ ममल्लरंजुमित्तने ॥ ३६ ॥ सुवनी ॥ २ ॥ सयलश्री ॥ रमनन
२ ॥ अन्मोयजिनश्रेनिकलनमुक्तगामिनो ॥ — ॥ श्रीनाम ॥ विस्व
वावामा ॥ नूवाचदां ॥ मैननूवामानिकदे ॥ कलननूवालाडिन्ने ॥
रंजनूवाराइश्री ॥ उंकनूवाउंदेसिरी ॥ छ ॥ पामोषेडोकोश्री ॥ पिम्म
वापदमश्री ॥ अनेनूवाचंजेश्री ॥ धर्मनूवाधूता ॥ अल्प
अहिमनंदे ॥ मैननूवामानिकदे ॥ मिलननूवामना ॥ दानश्री ॥
धीर्जनूवाधनश्री ॥ चेयनूवाचोदा ॥ विक्तनूवाविमलश्री ॥ सि
कारपुर ॥ सुवननूवासलगा ॥ ममल्लरंजुमानिकु ॥ चेयनूवाचं
दे ॥ हसिसनूवाहांसले ॥ चैननूवावैसा ॥ मैननूवामहासिरी ॥
सेपकनूवासेमा ॥ पियनूवापुनश्च ॥ वयननूवावेदा ॥ वैकुमारपु
रनमलु ॥ रुचकुमारनूपंचेडु ॥ दिन्नकुंवरदेवीपीत ॥ ममल्लर

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0 In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

मानिकदे ॥ चेयनूवाचादो ॥ हरियनूवादासिलु ॥ चैनरुवावेय
नूवामहाश्री ॥ विपकरुवावैमा ॥ पोयसवापुनश्री ॥ चयनन
वावैदा ॥ वैकुमारपूरनमलु ॥ रुचिकुमारनूपचेडु ॥ दिनकुमारने
उपीति ॥ ममलरंजुधानूकौकुदंवु ॥ रमनरुवानूपा ॥ पदमनूव
पुनश्री ॥ प्रियनूवापदमश्री ॥ कमलनूवा ॥ तस्पर्ऽस्पेन्यं ॥ ४ ॥
मनकुमारमानिकु ॥ ३३ ॥ तेकुमारतारन ॥ ऽकोरंजुऽडडु ॥
ज्ञानरंजुमले ॥ लीनरंजुप्रदेस ॥ ८४ ॥ श्रीयेरमनुप्रनानु ॥
रैनरंजातनसी ॥ ध्या ज्ञानपुरुषु ॥ ऋगहनूवातस्पर्ऽस्पेत ॥ चै
यकुमारचोडुनु ॥ ७४ ॥ सहकुमारसहसु ॥ ५७ ॥ लयनकुवा
रलयमनु ॥ ९८ ॥ दिनरंजुदेवदासु ॥ ०६ ॥ सहजरंजुमिलनु ॥
११४ ॥ सुव्रनो २ ॥ रमननूसिरि ॥ विनैश्रीविमल ॥ २ ॥ ऋन्मे

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0 In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

त्रैनिकलनमुक्तगामिनो ॥ ॥ सहसत्रवातस्पर्द्धित्यन्यः ॥
ावरंजुनीषमु ॥ ३३ ॥ लीनरंजुलषनु ॥ २७ ॥ छोहरंजु
॥ ३३ ॥ हीरंवरंजुहीरदासु ॥ ४१ ॥ साहरंजुदेवदासु ॥ ३७ ॥
मलकुमारप्रदेसः ॥ २७ ॥ सूत्रनी ॥ २ ॥ नयनत्रानाडुश्री ॥ सि
त्रत्रासिंगारदे ॥ अनोयणिनत्रैनिकलनमुक्तगामि ॥
रेजनत्रवातस्पर्द्धित्यन्यः ॥ ४ ॥ विस्वकुमारविमलु ॥ ५४ ॥
३ ॥ विक्रमत्रावैदा ॥ सहत्राप्रदेस ॥ रैनत्रारानी ॥ ॐ अ
नोयणिनत्रैनिकलनमुक्तगामिनो ॥ ॐ सिवकुमारश्री ॥ रयन
रंजुरामजी ॥ वयनरंजुवाउजी ॥ विक्करंजुवीरजी ॥ दीपकुमार
दंडजी ॥ नवरुवात्रपश्री ॥ चरनत्रावांदो ॥ रयनरंजुराजा
जैनरंजुजिना ॥ पदमकुमारप्रदेस ॥ सुत्रनी ॥ ३ ॥ हीयत्रोही

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

कलनरूवाकलन ॥ परसनरूवामिलनी ॥ अन्मोयजिनश्रे
मुक्तगामिनो ॥ सहरूवातस्पर्डत्यन्य ॥ ४ ॥ मैयरेजुमोडनु
रेजुचांदनु ॥ अनेकुवानीयमु ॥ वर्नकुमारठकुर ॥ सुवनी ॥
ज्ञानरूवा ॥ विपणारूवा ॥ अन्मोयजिनश्रेनिकलनमुक्तगामि
नो ॥ कलनरूवातस्पर्डत्यन्य ॥ ५ ॥ परसनरूवापवारे ॥ र
[illegible]रामाजी ॥ चेंद्रेजु ॥ रिथरेजु ॥ दानरेजुप्रदेस ॥ सुवनी ॥
र ॥ जलश्री ॥ विपनश्री ॥ अन्मोयजिनश्रेनिकलनमुक्तगामि
नो ॥ सूवनरूवातस्पर्डत्यन्य ॥ ४ ॥ सहरेजुश्रीचंद्र
मैनकुमार ॥ गनरेजु ॥ धुवकुमारप्रदेस ॥ सुवनी ॥ निलैरूवा ॥
अन्मोयजिनश्रेनिकलनमुक्तगामिनो ॥ सहजरूवाकेउ
त्यन्य ॥ ५ ॥ ममलरेजुमोडनु ॥ २४ ॥ दिप्परेजुदेवदासु ॥ ३४ ॥ वि
पकुमारषेडरेजु ॥ ११४ ॥ मैनरेजुमानिकु ॥ २२ ॥ सुवनरेजुप्र

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

सुवनी २ ॥ सूवनरूवा ॥ सुलभनरूवासुहगाः ॥ ऋन्मोपजिनश्रेनिक
लनमुक्तगामिनो ॥ ॥ सहनरूवातरुउत्पन ॥ ५ ॥ कम
लरेजुगकुरनान्है ॥ कल्परेजुकुवर ॥ सहजकुमार सधाए ॥ मदनरे
जुमैनसी ॥ दर्सकुमारदेउराजु ॥ दर्सकुमारदेउराजु ॥ नेदरेजुनैनसी
धनधनरेजुधना ॥ ऋल्पकुमार ऋांसा ॥ श्रीनाम ॥ [illegible]
लषनश्री ॥ गमनरूवागयानश्री ॥ पदमरूवापुरा ॥ मैन[illegible]
नी ॥ कल्परूवाकरमसी ॥ नीलरूवानैना ॥ नृतरूवा ॥ लषनरूवा
लाडो ॥ चक्करूवाचाउश्री ॥ साधुरूवासिंगारदे ॥ इंछरूवा[illegible] ॥ प
रमरूवापवारदे ॥ जानरूवाजौना ॥ विपकरूवाषेमा ॥ मिलनरूवा
मदना ॥ चंदनरूवा चंदनश्री ॥ मैनरूवामनश्री ॥ हरिषरूवा[illegible]
न ॥ रमनरूवारूपश्री ॥ पर्मरूवापदमश्री ॥ चरनरूवा चौ[illegible] ॥ नै
नरूवान्यानश्री ॥ चक्करूवाचाउश्री ॥ सहजरूवासहजा ॥ जै

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0 In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

मिलनस्तवना ॥ हियरमनस्तवाहीरा ॥ विमलस्तवा विमलश्री ॥ सिंघ
स्तवा समदे ॥ धर्मस्तवात्मधनी ॥ शुभस्तवाशानाथ ती ॥ मिठ
वा ॥ हेमस्तवा सिंघकस्तवा ॥ जानस्तवा जिना ॥ मिलनस्तवासमद्र
ना ॥ सुव्रतस्तवारमश्री ॥ ॥ विस्वस्तवातस्पर्डत्पेन्य ॥ हिय
नेदकुमार ॥ नेदकुमार ॥ परमस्तवापना ॥ विनेस्तवावीळ ॥ सु
सुमति ॥ अनेस्तवानना ॥ डुर्जिनस्तवारूपा ॥ शुभस्तवाम
ईश्री ॥ रेजस्तवारूपश्री ॥ गुप्तस्तवाप्पानश्री ॥ लीनस्तवालक्ष्मी
मल्लरेजुमाडनुं ॥ विमलस्तवा विमश्री ॥ चंद्रस्तवा चंद्रश्री ॥
विस्वस्तवातस्पर्डत्पेन्य ॥ ४ ॥ हियनेदकुमार ॥ ५ ४ ॥ नेदकुमार
कल्परेजुमिलने ॥ ७ ४ ॥ धुवकुमार मिलनं ॥ ३ ४ ॥ शुभनी
नस्तवा ॥ १ ॥ चलस्तवा ॥ २ ॥ अन्मोय जिनश्रेनिकलन
मुक्तगामिनो ॥ ॥ सिलवानी ॥ हियनेदस्तवातस्पर्डत्पेन्य ॥

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

६॥ सुवनकुमार सोति ॥ चरनकुमार वोदनु॥ रैनरंजुरा नु॥ सुव
नरेजुसुमति॥ मैनरंजुमाडे॥ धुवरेजुप्रदेस॥ सुवनी॥३॥ जुवनसू
वा॥ नृतसूवा॥ मैनसूवा॥ अन्मोय जिनश्रेनिकलनमुक्तगामिनो
॥ स्कंधसूवातस्पर्डत्यंन्य॥४॥ सहजरेजुसमोषनु
उक्तरेजुउदनु॥ मिलकुमार मदनुः॥ मिलनरंजुवैदूः॥ सुवनी॥३॥
रैनसूवारमरनश्री॥ अषैसूवाइंद्रा॥ हंससूवाहांसो॥ अन्मो
यजिनश्रेनिकलनमुक्तगामिनो॥ उवनसूवातसा र्डत्यति॥५॥
अल्पकुमारु अर्जुनः॥ गुप्तरेजुगुनीया॥ सूवरेजुरतनु॥ विम
वा विमला॥ अन्मोय जिनश्रेनिकलनमुक्तगामिनः॥
सुवनसूवातस्पर्डत्यंन॥५॥ सपनरेजुसातलु॥ जिनरेजुगुरु
रु॥ उवनरेजुउंडु॥ धर्मरेजुधनैसुरु॥ विसकुमार विलने॥५॥
सुवनी॥२॥ सहजसूवा॥ रैनसूवा॥२॥ अन्मो जिनश्रेनिक

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0 In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

ननमुक्तगसिन्नो॥ सहजकुमारसहस्र॥ मिलनकुमारमदन सी॥
न्नतरेजुमानिके॥ नूवरेजुगान्हे॥ वयनकुमारवहोडिगु॥ सिवकुमा
रश्रीचंदु॥ दिप्परेजुदेवी पति॥ पीयरेजुपुना॥ ॥श्रीनाम॥ नैनरूवा
पश्री॥ अलपरूवाअनन्ना॥ सुवनसूवासुहगश्री॥ नैनरूवानैना॥
रुचिरूवा॥ विपकरूवावैमा॥ इंदरूवाइंदा॥ चेयरूवाचेदो॥ रूव
कुमारूपसी॥ सुवनरूवासुहगा॥ मैनरूवामानिकदे॥ डिंभरूवा
ऊंडु॥ कर्नरूवाकोकुटमु॥ थिरू॥ कागपुरु॥ सुवनकुमारमुनिरेसु
गनवारो॥ पउरीया॥ नेयकुमारुधनेसुधुसुर॥ सैनरेजुसेर
उ॥ नरेजुनीयमु॥ सियकुमारश्री॥ विनैरेजुवीरदासु॥ विस्व
कुमारविमलु॥ श्रीहंसरूवारीया॥ नयरूवानाणश्री॥ म
मलरूवा सदाश्री॥ पीयरूवापाटमुः॥ सहजरूवासुहगा॥ अवुन
श्री॥ सहनरूवा॥ सहजरूवातस्पर्डत्यंन्य॥ लीनकु

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0 In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

वाहलनयन ॥९४॥ रैनकुमारसननश्री ॥२१॥ नेरकुमारछीतर ॥ ५४॥
परसकुमारपते ॥३४॥ हियरमनरेजुप्रदेस ॥५४॥ सुवनी ॥२॥ मिल न
नरूवा ॥ रैनरूवा ॥ अन्मोयजिनश्रेनिकलननमुक्तगामिनो ॥
सुल्पनरूवातस्यउत्पेन्य ॥५॥ हियरेमनरेजुहल्ला ॥९४४७४॥ स
जरेजुसहस ॥३३॥ धुवरेजुधनेसुर ॥४२॥ कल्पकुमारसहस ॥
२४॥ साहरेजुमिलने ॥८४॥ सुवनी ॥२॥ अगमरूवा ॥ नुवन
रूवा ॥ अन्मोयजिनश्रेनिकलननमुक्तगामिनो ॥
इंछरूवा छीतजैरमनु ॥ वंधानउत्पेन्य ॥ हियरमनरू सा ॥
मिलननरूवामना ॥ सुवननरूवासाहिव ॥ मैनरूवामहना ॥ चरन
रूवाचोदो ॥ अमैरूवा ॥ तिलकरेजुकोदिया ॥ सुवनरूवासोना
लवनरूवालाडो ॥ चल्परूवा अना ॥ मैनसुवमानश्री ॥ ली २२५

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0 In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust eGangotri

नरूवासे ढिउ देसीको ॥ गुरू रूवाधता ॥ पदमरूवा पदमा ॥ पदमनि
मा ॥ लीनरूवानैना ॥ हिपरंजरूवाहरिसिनि ॥ रैननूवासूपनि ॥ कुम
लरंजुदेउराजु ॥ परसनूवापमारदे ॥ चेयनूवाचांदो ॥ कुडवाई ॥
रैनरूवातस्पर्उत्पन्ने ॥ ४ ॥ विगसरंजुविमलु ॥ सुवनरंजुनीलमुः ॥ मै
नरंजुमनै ॥ सुवन्नकुमारमिलने ॥ ४ ॥ अनोपजिननेनिकलननु
कगामिनो ॥ ॥ फुटकर ॥ अल्पकुमार अमरसी ॥ नि
लैरंजनिमा ॥ नीलरंजुलालासिंघई ॥ श्रीकमलनूवापुनसि ॥ षि
पकनूवेम ॥ कनैनूवाकर्मा ॥ कलनकुमारकोगकुरवेदमा
निवासो ॥ दिपनूवादेउश्री ॥ पैकुमारपदाछि ॥ पीपकुमारपुनसी
मैनकुमारमाउनु ॥ रूपचंदकीवेटी ॥ इवनूवाहीरा ॥ विलनूवावीरा
॥ फुटकर ॥ दिपरंजुदेउ ॥ चकनूवानाउश्री ॥ नैननूवा
ठकुरश्री ॥ फुधमुधनराजकौ ॥ कागपुरगमनकुमारगजा ॥ ॥

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Narja, Varanasi

CC0:In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

कलनरेजुकुंवरपास॥ पीयरेजुपूना॥ पद्मकुमारपदाधुः॥ मैनसूवा
मानिक॥ जैनरेजुजैपति॥ कर्नकुमारकुंवरसी॥ कंचनरेजुकोरा॥ निलै
सूवानैना॥ धुवसूवाधनसिरी॥ कमलसूवाकोरा॥ जानसूवाजैना॥ जै
कुंमारजौनसी॥ नृतकुमारनैनसी॥ नृतसूवानैनश्री॥ रतिषसूवा
हीरा॥ मिलनसूवामदना॥ वैनकुमारविमान॥ वानिपुरु॥ गममन
कुमारगोलालारे॥ अहमदपुरु॥——॥ कुंकावली वा धोपरा
रैनसूवातस्यउत्पंन्य॥५॥ चैयरेजुचोदनु॥ कर्ननरेजुकुंवरसी
मैनरेजुमहनसी॥ उंचरेजुउरधु॥ सुवनरेजुप्रदेस॥ सुवनी॥ र
सहजसूवा॥ दानसूवा॥ अन्मोयजिनश्रेनिकलनमुक्तगामि
नो॥——॥ निलैसूवातस्यउत्पंन्य॥४॥ रयनरेजुपसी॥ जिन
रेजुजिना॥ सिउरेजुपौहकरदासु॥ सुवनकुमारनोजा॥ सुवनी॥
॥ नृतसूवा॥ पवनसूवा॥ अन्मोयजिनश्रेनिकलनमुक्तगामि

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0 In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

नो ॥ ——— ॥ नित्तेसूत्रातस्यउत्पेन ॥ ४ ॥ २५नरंजुत्रपसी
जिनरंजुजिना ॥ सिवरंजुपोहकरदासु ॥ भुवनकुमार नोजा ॥ सुवनी
२ ॥ नितरूवा ॥ पवनसूवा ॥ अन्मोयजिननेनि कलननमुक्कगामि
नो ॥ ——— ॥ ऊंतमोयर्मउत्पेन्य ॥ पर्मानंद आनंदसुनाउ ॥ सिंधा
नाम ॥ मैसाह ॥ अन्मोयसुनाए सहजोपनीत ॥ उत्पेनसुनार
सद्साहसद्प्रयो ॥ ३१३१ ॥ अन्मोयदिप्पउत्पेन साहरुदिजिन
उत्पेनकमलजिननेनि ॥ १ ॥ २१७१४ ॥ अन्मोसरुजिनसाहजो
पनीत ॥ उत्पेनसुनार ॥ सद्साहसद्उक्कप्रीयो ॥ ३३७२ ॥ अन
मोयकलननिजनसाह उत्पेन्यउत्पेनकलननकमलजिननेनस द्
प्रीये ॥ ३ ॥ १६६७२ ॥ खिपनेनेनिसाह अन्मोद उत्पेन्य समसउ
त्पेनसुदिप्प जिननेनि उक्कस्यप्रीयो ॥ ३७७३ ॥ नित्तेरंजुचांद च
अन्मोयसमनेनेनसाह उत्पेनसमेउत्पेनसुनंदजिननेनि

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

५११८४॥ अन्मोयमेघकुमार उत्सवेनजिन श्रेनि कलनन अन्मोमहुर
जिनउत्सवसाह ॥९५११२॥ अन्मोयसिवकुंवारु उत्सवनजिनश्रेनि
कलनउत्सवनसाहिसमैरंज अन्मोयमहुरजिन ॥७॥

२३७ चेयजिनउत्सवनसाह॥ ९
७४ रमनचंददिष्टउत्सवसाह ॥ ९
१११ हेमकुमारसाहउत्सवन ॥ १०
३३ सुखनउत्सवनसाह ७ ॥ ११
९४ सुखनरंजसंघ ॥ ७॥॥ १२
१३७ रमनश्रेनि ॥७॥ ७ ॥ १३
७२ उदूसुनहा ।७७॥॥ १४
३९७१ पंश्रीपेनकुमार उत्सवकेश्री १५
२३१ सहज रमनवेसजे रमनउत्सवन

१५ पेकुमरउमदिष्टउत्स
५९४ जिनरंजुदिष्टउत्सवन
३९१ उदेश्रेनि पंचारनुसा
३१ नैनसीउत्सवन
३४ सिंघरण्कुरसी
३७२ संघना उत्सवन
३७२ कमसीविरदउन्नच्च
३९००० साहउत्सवनअवे
७७१२ कमलावतीउत्सं
२४८१ उत्सवनअवे
१२९२ उत्सवनचरनसाह

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

१८२६	हंसश्री	२८
२१३१	सुवनश्री	२९
२२३२	औकासश्री	३०
५५३५	दिपूश्री	३१
६८५५	सुदिपूश्री	३२
१७२२	सुर्कश्री	३३
१३३३	सर्वार्थश्री	३४
३३३	विदश्री	३५
१११७	अनंश्री	३६
८४८४	श्री १२	३७
जोउसर्व	३१६०५ ॥	३८
एकाग	१२	
७१७	विदश्री ॥	
६२२	स्मैश्री ॥	
श्रीः १०	जोउसर्व ॥	
४ ३४५	॥ ॥	

३३१	थंउदुद्द उत्पन्नोदसहसमे	
१८४	पंसरउनउत्पेनदि दि	
६७४	पंनीयमुउत्पंनउनारमैसाह	
६५		
४४	पंलघउत्पंन्यसाह	
१३	चरनसीउश्री	
१७४	लघनश्रीउत्पंन्य	
६४	रैनरमनउत्पंनसाह	
७६	विसुनदासउनैरमनु	
१७	कर्मचेउउनैरमनु	
३२	धानाउत्पंन्यउनैरमनु	
१७		
७४	सहसुसमैसाह	
१४४	स्वलीनकुमारसाहसुत्य	
१५३॥	मिलकुमारलप्रदेस	

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0 In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

७२ चेतकुमार मिलन्दे
२४८ निलैरंजु उल्लासाह
२४५ अनोपरंजु उल्लरमनु
४२ हिपरंजु उल्लरमनु
७३४ रैनकुमार उल्लसाह
१८७ चपरंजु उल्लरमनु
१३३ इंडकुमार
२७२ साहिकुमार
२०५ सिरीकुमार
१६४ रैकुमार
१३१ सहकुमार
२७२ घनकुमार
७३ गमनरंजु उल्लरमनु

३२८ उदनरंजु उल्लासाह मदनसी
५७ लयनकुमार उल्लरमनु
३२४ सिद्धकुमार उसेनरंजु
१०१ लीनकुमार १०३ हर्षरंजु
१४३ पीरसकुमार १७१ दिन्नकुमार
तस्यवहिनैसत्तसर्इसवैन्नीतस्य उ
६७ हरिषसेनिहरपति
४५ लीनरंजुफूल
१६७ उल्लासाहविगमु
१३७ साहकुमार उल्लसाह
८४ अनैरंजुप्रदेस

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0 In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

ॐनमः॥ परमात्मनेनमः॥ तिथिवारहमहिनावरवनि रूपयंति॥
प्रतिपद॥ प्रतपादयंति॥ न्यानरूपेनत्रयेउ॥ उत्पादयंति प्रतिउत्पाद
यंति॥ ॐकारवेदस्थान निष्पत्तिसस्वरूपगुनं॥ प्रजाउत्पनतानं
त॥ प्रतिपादनवंति॥ १॥ दुतीय॥ उदितं उत्पादेन रोती॥ औकास दु
तीयासवरनाउं॥ दुतिजोतिस्वरूप॥ स्वयंसवरनव सहजानंद॥ सर्व
हिय॥ पंचदिप्त॥ दुतिकरोति॥ दुतिनंतगुनं॥ दिपेषनिरूपनं दुतीय॥
२॥ त्रतीय॥ त्रिविधउंकार षटुकमलन्यानउदयादंक॥ उत्पादे
उर्धेसुभाव॥ स्वयंमेवत्रकालं॥ त्रिलोकेत्रनुवंन॥ ॐकारवेदस्य
न॥ तिष्ठतित्रतीय॥ ३॥ चतुर्थीचत्रुवेद॥ प्रनत्से प्रतिपूर्न जान
कंसुभावं॥ चेतनित्वं॥ उमउंउपसमउं॥ चतुर्थीनं॥ चतुर्थी ४
पंचमिय॥ पंचस्थानं॥ पंचदिप्त॥ सपत्से॥ पदविदउंये॥ उंकारवि
दंतिष्ठंयंति॥ पंचस्थानसरूपंपंच मिय॥ ५॥ षष्ठी षटुचक्रंभय

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

मूर्ति ॥ कषायकषयत्वं ॥ दिव्यं जोयं जोग जुत्तं ॥ जोयत्वं जोगत्वं
ऊधेसुधसास्वतं ॥ षष्ठयत्वंषष्ठी ॥ ६ ॥ सप्तमियं ॥ स्वयं सहजसमं
सप्तेयत्वं ॥ आत्मतत्वं ॥ अनादेनंतरूपं ॥ तत्वसमयं ॥ सहजंसप्त
रूपं ॥ सप्तमियं ॥ ७ ॥ अष्टमियं ॥ अष्टासार्थो ॥ तत्सयोजोतिस
रूपत्यागं ॥ अनहंतलष्यं अनंत अस्यानं ॥ प्रतिसंगन वेदसंजे
तं ॥ अष्टगुनंप्रतिपूर्नयं ॥ अष्टमियं ॥ ८ ॥ नवमीनवंडित्यंन
वरं ॥ नइपेनउत्पंन ॥ सद्भाव भाव ॥ पंदेनत्यं ॥ आनदनी
मी ॥ ई ॥ दसमीयंदससमी ॥ दसदिसादिसयत्वं ॥ दर्सम
त्वंदर्सनं ॥ दसमीयंसुधसाद्धो ॥ दसमीयं ॥ १० ॥ एकादसी
दिसयत्वंनानंकमलासनं ॥ केवदर्सयंति एकएकत्वं ॥ न्यान
मयं उत्पद्यं प्रतिपूर्नं ॥ ममंत्मानोन्यानमयं चक्रं ॥ येकदर्स
एकादसी ॥ ११ ॥ द्वादसीद्वादसांग ॥ सुतंन्याननहिंकारं ॥ दि

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

द्वि॒ष्टि॒यत्वं ॥ द्वादसी॥ द्वादसं द्वादसी॥१२॥ त्रयोदसी॥ त्रिविधउर्ध्वका
रं ॥ अधिश्रीकारं त्रयोदसी चरनंवोर्ज अंकूनं द्विसं द्वासिद्वसी ॥
ऊर्धमुक्तस्थानं विक्तरूपं॥ त्रयो॒ दसी॥ १३॥ चतुद्दसी चतुदसं गुन अ
स्थानं तिष्ठंति॥ चतुस्थानरिजुविपुलमतिदृष्टि दृष्टि ऊर्धगुनति
ष्ठंति॥ जानविंद चतुर्दसी॥१४॥ पूर्नवासी प्रतिपूर्नपंचदिसै
पदविंदंऊर्धसर्वन्यं॥ पंचस्थानविक्तरूपं॥ प्रतिपूर्नपंचस्थानं॥ के व
लंमध्यकेवलसद्भावकेवलमुयं॥ दर्सयंत्वादर्स प्रतिपूर्नपूर्नवा
सी॥१५॥ इतितिथिपंइहसमउत्पेनिता॥छ॥ अथसमव
॥छ॥ आदितं आदि अंतं अनादं। लोयं अत्मातत्वं॥ १॥
सोमंसोयंमेवं उत्पन्येसुयंरूपं। सहजनंदसुयंउत्पन्येसोमत्वयं
मेवंसौमे॥२॥ मंगलंचर्थंउत्पनेममलंनिमलं॥ मलविमु
कासीदरहितं॥ मंमलंमंगलंममलत्वं यंगुनंममलंऊर्धमग

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0 In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

लं॥ ३॥ बुधं ज्ञानं गुनं सूयं स्वयं रूपं सुधं बुधं सहजं सुकीयं। सुक्रं
वं॥ बुधं ज्ञानं प्रतिपूर्नं तं केवलं ज्ञानं केवलं दर्सनं दर्सयंत्वं॥ प्रतिपू
र्नं ज्ञानं गमं बुधं बुद्धेः॥ ४॥ गुरं गुरं त्रलोकं ब्रहस्पते तस्यास्ते त्रलोकं म
ध्य दृष्टजोति सुयं संपूर्नं सुधं॥ रत्नत्रयं मयं मूर्ति संपूर्नं। गुरस्थानं
चरनं पस्यते॥ गमनागमं॥ लब्धे त्रलब्धे त्र थिरयं लषियत्वं॥
ममात्मा गुनं सुधं दर्सं दर्सयत्वं॥ पंचत्रस्थानं सर्वज्ञं सुधं चरनं
गुरं॥ ५॥ सुक्रं सुयं क्रांति सुक्रं सुधं बुधं स्वयं मेवं॥ स्वयं कर्तास्ते
यं सद्भावं स्वात्मरूपं त्रयं सुयं क्रांति सुक्रं॥ ६॥ सनिश्चयं सम्य
ज्ञानं दंसहं सहजरूपं सनिश्चयेन त्राचरनं सनिश्चयं॥ ७॥ इति
सम्यचारित्र पूर्नं समाप्तमित्येतिता॥

त्रन्यावारहगुनमयत्वं यं सूपमात्मानं गुनं लषिनं चैउं चेत
नालषिनं चैत नित्यो चषिनं दर्सनं ज्ञानं चारित्र मैमूर्ति सुधेयं १३०

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

धर्मत्रिलोकं हृदयं जोयत्वो चैतंचैत्वं ॥ १ ॥ वैसाषंउर्धसुधं निश्चयं
विवहारं जोयं जोगजोगपं ॥ चार्धउर्धमध्ये ॥ उंकारविंदस्थानं पदविंदं
पंचदित्ये पंचस्थानं चित्तं निरोधंतित्वा विवहारगतं सुयं ॥ त्रल्यं जोजनं
किंचित्वं तिजयं ति ॥ ममात्मागुनं निश्चं ॥ आत्मादर्सनंदर्सनं ज्यानं
चरनंकेवलं ज्यानरूपं वैसाष्यं प्रतिपूर्न ॥ २ ॥ जेष्ठंजेष्ठं त्रस्थानं
विंदविंदयुतं ॥ जेष्ठोद्रीदं धयंत्वं ॥ सुकीसुनावंसर्वन्ये हृदिजेष्ठं
यत्वं उर्धउर्धसुनाद ॥ जैठंतं हृदयत्वो ॥ ३ ॥ आषाढं त्रयं आत्म
तत्वं आषाढं त्रलोकं वदुकमलंच त्रंसुधं सुधरूपं सुयंमवं प्रति
प्रूनं गुहिजेयं कुरंनं चउर्धजोति ॥ विंदस्थानंमुक्तिगमनं चिताविं
लीयं मनंपरिनामं सुधं जोतिसयं ॥ सुनावंसुयं आषाढ ॥ ४ ॥ श्रा
वनं श्रवनंसुधं ॥ मतिश्रुति आत्मादिकेवल सत्वं ॥ सुतंज्यानं
ज्यानमयं ॥ निरूपंतरूपं अरूपं ॥ अवलोकलोकतत्वं लोकंमधि

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0 In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

लोके ॥ न्याङ्निश्रुतसुतं न्यानश्चवर्नं ॥ ५ ॥ पद्मपद्मनोनिर्विमलंनिर्म
लं निर्मलत्वं नद्रसहजनंदं आनंदं नंदमयंन्यानरूपंनिरूपंसत्वन्
पंसन्रूपं अवकासं ॥ नद्रं नद्रपदविंदंसर्वन्नेनंद्रपदं ॥ ६ ॥ कुमारंकुमं
दृष्टत्रलोकेवारापारंउर्धं उंकारंवेदं वेद्योविंदयत्वं प्रतिपूर्नंसर्वन्ये
सुधन्यानसन्रूपं निरूपंनयनं अस्तुनिमासं ॥ ७ ॥ कांतिकक्रित
त्तत्वं ॥ आरतिआरंत्रलोकंकर्तव्यं कालंत्रकालं अवलोकंलो
कंलोकितत्वं ॥ लोकलोकंममात्मतत्वं सुयंकृतंकांतिवं ॥ ८ ॥
अगहनअवगहनं मागसिरंन्यानदिव्यंतीयत्वं ॥ त्रलोकंत्रग
हनंमागंप्रतिपूर्नं ॥ अवगहनंआगहनंगगनंअस्थानंअवगा
हनंआगहनं ॥ ९ ॥ पौसंपौरषेपर्मतत्वं पौसंपदविंदंपयो
पदार्थंपदंसास्वतं ॥ पौरेपरायं पर्मपरमानंदं ॥ पर्मज्योतिर्उव
गुनं उधर्मंयंधर्मार्थं सास्वतं ध्रुवं ॥ प्रतिपूर्नंपर्मज्योतिपरो

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

रोग्योपर्मसार्थंधुवंतदिपौष्यैनंतगुनं ॥ १ च ॥ माद्यंममात्मागुनंघनचस
मूहं चनंतानंनघनाकरममात्माघनचक्रं ॥ माद्यंममलंनिर्मलंघनचस
मूहंगुनेसासास्वतं ॥ माद्यवानांमाद्यममात्मनंतानंतसुद्धंममलरहितं
घनाकारं ॥ त्रिलोकंलोकत्वांचचलोकंममात्मागुनंमाद्यं ॥ ९ ॥ फा
ल्गुनंफटिकंविमलरूपंरूपातीतंचरूपंरूपयत्वं ॥ विमलफटिकंफाल्ग
गुनंलगुनंलगुनं ॥ विलग्नविमलंविलग्नतिउमरंयेविन्यानविस्व
रूपं विलग्ननिरुनिश्चेतार्थनाईनोचेतंन्यानमूयंन्यानमयंफटिकं
लग्नविलग्नंनिश्चेनयेनस्वरूपं ॥ आदिअनादेवनंद्रचस्यानं ॥
गगनंसिखिरंआलंबनंविलग्नंचस्फटिकोविलग्नंविमलनिश्चय
फाल्गुनं ॥ १२ ॥ बारहगुनममात्मास्वयंमेवरूपं ॥ ममात्मासुन्ना
वेसास्वतंसुतेसर्वन्येसर्वदर्सी ॥ सर्वसंपूर्नंसर्वदंदंविर्नंसुद्धं ॥ मयूम
र्तिन्यानंसर्वेपंचचस्यानं ॥ उदयंममलंनिर्मलं मानापमानं ॥ सं

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0. In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

ॐनमः परमात्मानेनमः॥ त्रिदेवीनमोनमः॥ ॐ ह्रीं श्रीं ऊँ
ह्रं सर्वज्ञसिधंसुधै॥ ज्रं ज्रं ज्रं जयं॥ जयं उत्पंनजयं॥ ऊँ ऊँ नमः ऊँ
त्पंनजिनश्रेनि॥ तारनतरन ऊँ नकमल॥ ऊत्पंनकलनस्वकलि
यं॥ ऊत्पंनकमलसुभावं॥ ॐ वीं विंद ऊत्पंन॥ ॐ कं ठं तीं सरन
कमलऊत्पंनकमल॥ ॐ कं धुवं समयं सुवन॥ ऊत्पंन ऊँ नदिप्त
दिष्टि प्रवेसी॥ सुयं सर्व ऊत्पंनप्रियो॥ मूवनसाहि॥ ऊत्पंनिहित
ओंकास॥ सहसमयमुक्त॥ रमनगमनसिधंसधंसवीर्जं॥ ऊत्पं
न ॐ नमोद वीर्जं॥ समयं दिष्ट दिप्तसर ॐ कं नं॥ दिप्तं धुवं ओं
कासंसर्वगं॥ ॐ कं ऊत्पंन वीर्जं ॐ नमोयं सहसमयं सिधसिधंधु
वं॥ ऊनरससप्ततीस वर्षं दिनरप्तनसप्ततीनऊत्पंन सहिठि
मुक्त मंषऊत्पंन॥ मिथ्याविलीवर्षे॥१९॥ समयमिथ्याविली १९

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

प्रवृत्ति मिथ्योविलोवर्ष ॥८॥ मायाविलोवर्षः ॥७॥ चुन्याउत्पेनव
षेउठ ॥१॥ वेदकवर्ष ॥२॥ उवसमवर्ष चुतार्द ॥३॥ मारकवर्षः
३॥ उत्पेनवर्ष ॥४॥ नोउत्पेनी ॥ नेयउवसमगहनं ॥ संवतु ॥१५७२
गतुतिलकुसत्पमाह जदिकछूदे ॥ तदिसवीर्थसिधउत्पेन ॥ क
लसहसमयसिधसधं धुवं ॥ उत्पेनसुजाव ॥ चनादिचनुश्रुत ॥
चनउपति ॥ सदधुवंउत्पेःनउक्तउत्पेन ॥ चविरसुरविजन ॥ सवीर्थ
सिधउत्पेन सद ॥ हिनमितपरिनतकोमलतिल ॥ हेवचवगाह च
गुरलघुवाधाविली ॥ मुक्तसुजाव उत्पेनउत्पेन ॥ नोउत्पेनरमन
न्यान ॥ इतिकायेसिद्ध उत्पेनभवतिलकु ॥ संवत ॥ १५७२ ॥ स्वा
मीनारनतर न सवीर्थ सिद्धि उत्पेन भवति ॥

ऊँ वं उवन उवन उवनं ॥ उवनेसुरलोर नेत प्रवेसं ॥ उवनसरनि
सुरविलये ॥ उवनेसुरतार कमल समय मुक्त विलसेंती ॥ ऊँनं

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0 In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

सुव्रतसिद्धनमोनमः ॥ ऊर्जयंतजिनस्वामी तारंततरनकेवलीसमय ॥
५५३३१८ ॥ अम्मोदकमलावती रुजिन । विदी ॥ केवलीजोति ॥
७०० ॥ गनधर ॥११॥ अवधेन्यानी ॥१३०१॥ अनुवधकेवली
३ ॥ औषधर्मसुगी ॥८००००॥ अनुत्रगत ॥८८१० वैयदीयक
४४०० ॥ अजिव ॥३६००००॥ श्रावग ॥१००००००॥ कुवा
दी ॥ ७०० ॥

मनपर्जयन्यानी	५००
प्रतिगनधर	१४००
संतंतकेवली	३
राजादानपति	१
जतीसधगत	८०००
पूर्वधर	३८००

श्रावगिनी	३००००
सषक	६८०००
पारनोदिन	॥४५॥
जुगधानदिन	॥ ६॥
उतानसमैउत्पेन	॥३६१८॥

सुषेनसुषेनमुक्तगामिनो ॥ अनो

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

कमलावतीपुरजिन ॥७ वर्ष॥
ज्योतिकेवलीसंसर्गः मुक्तसुषे
नसुषेन ॥विदी॥
उत्पेनसर्ग ॥ज्योतिरूजिन ॥१
उत्पेन्पसर्ग ज्योतिकमलावती
उत्पेनज्योतिरचावती ३
उत्पेनज्योतिविंदावती ४
उत्पेनज्योतिनन्नावती ५
उत्पेनज्योतिजैनावती ६
उत्पेनज्योतिरूपावती ७
उत्पेनज्योतिवग्गावती ८
उत्पेनज्योतिरमलावती ९
उत्पेनज्योतिरमलावती १०
उत्पेनज्योतिदिप्तावती ११
उत्पेनज्योतिउल्कावती १२
उत्पेनज्योतिअलुब्धवती १३
उत्पेनज्योतिलक्ष्मनावती १४
उत्पेनज्योतिउल्लावती १५
उत्पेनज्योतिविलावती १६
उत्पेनज्योतिरक्षावती १७
उत्पेनज्योतिरनावती १८
रतिज्योतिसर्गस्तत्सर्वसहगम
मनप्रजानमानी ॥५००॥सुषेन
मुक्तगामिनो॥विदी॥दिप्तजिनु॥

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0 In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

रमनश्रेनिरेदनु ॥७॥ ॥१४०
प्रतिगनधरसुषेनमुलगामिनो
विदी ———
पंधरमचेदुः ॥१॥ पंत्रीमिल
दासु ॥ २॥ पंत्रीत्रिषमु
॥ ३॥ सुहगावती ॥ ५॥
गुसकुवार ॥ ६॥ विगस
रेजु ॥७॥ मिलनु ॥ ८॥ ध
मैत्री ॥ ९॥ अनमवती
मीत्रा ॥१०॥ पदमावती॥

पदमावती ॥ ११॥ चरनावती॥
॥ १२॥ चरनावती ॥१३॥ हलाप
डे ॥ हियनेदकुमार १५॥॥ ममला
रवती ॥१६॥ मलोवती ॥१७॥ वि
राउपाडे ॥१७॥ हरिसिनि ॥॥ न
त्रश्री ॥ १८॥
सौधर्मसुनी ॥ ८०००॥ मु
लगामिनो ॥ ——— विदी ॥

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0 In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

पंश्रीमैनरेजुसुषेन ॥१॥
सिंघैरूवरंजुसुषेन ॥२॥
पंश्रीनोमदेउसुषेन ॥३॥
ज्ञानश्रीसुषेन ॥४॥
रूपश्रीसुषेन ॥५॥
चुवनीसुषेन ॥६॥
चेवश्रीसुषेन ॥७॥
हिंपरेजुरवासुषेन ॥८॥
कनकश्रीसुषेन ॥९॥
सारंतिसुंडीसुषेन ॥१०॥
रूपनिमाडुडिसुषेन ॥११॥
वामदेउसुषेन ॥१२॥
हामासुषेन ॥१३॥
रतनश्रीसुषेन ॥१४॥
मडासुषेन ॥१५॥
चौधरीराजासुषेन ॥१६॥
हंसावती हासोसुषेन ॥१७॥
कमलश्रेनि ॥१८॥ वपनकु
वार ॥१९॥ राजचेडु ॥२०॥ विरउ
ब्रह्मचार ॥२१॥ नैनसी ॥२२॥
पातालु ॥२३॥ महासिरि ॥
२५॥ साहा ॥२६॥ कुंवरसी ॥

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0 In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

२७॥ पातालेो ॥२८॥ वेदा ॥ २९॥ मनसुख ॥ ३०॥ इंद्राईर्न्नत्रा ॥३१॥
अमरदिउ ॥ ३२॥ इलो ॥३३॥ इले ॥३४॥ नौना ॥ ३५॥ अषया
वती आल्हो ॥ ३६॥ ॐ नमोअमात्मानेनमः ॥ जिनवरस्वामीतूव
डौमैजिनवरउन्नाल्लौ ॥ ७१॥ वहत्तरि ॥७१॥ वहत्तरी ॥ ७२॥ वहत्तर
ा ॥७२॥ वहत्तारी ॥ ७२॥ उत्पेन ॥७३॥ वहात्तरी ॥७२॥ वहत्तरी ॥७२
ऐकउत्पेन ॥ ७१॥ गनधर ॥ कलनावतीउरजिन ॥ जिनश्रेनि ॥
जोउत्पेनएनए ॥ सोउतवाहो ॥ उिढकलसुलेर ॥ सतसैसुत
वेदउत्पेन्य ॥ सुनसुनाव ॥ अर्थेति अर्थसुधेधुवं ॥ उिवउिवन
उिवन ॥ सुधेधुवसास्वतं ॥ रमन ॥७२॥ चतुष्टये ॥७३॥ उत्पेन उ
त्पेनु अनंतुतौ ॥ ॥ अपनौअपनौउत्पेनु ॥ निर्मलनिर्मलधेउ
लेहु लेहु जैमैलेसकहु ॥ सकविली ॥ इत्पेनप्रवेस ॥ गनउ

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Natia, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

कोउ अनंत ॥ इंदहीस२ ॥ रमनावती तीनलैउत्संनहै होइ ॥ ७२॥
समैलैउत्संनु ॥ ९॥ समै पहिल इंलैउत्संनु ॥ ऊँवहियश्रीय ॥ ३॥
ग्रवकतीनलैउत्संनु ॥ ३ ॥ अस्कंध ॥ ३॥ लइउत्संनु ॥ कैन्यानहत
नित्त ॥ ३॥ लैउत्संनु ॥ गुप्तउत्संनु औकासनिध ॥ ३॥ लैउत्संनु ॥ जा
मतीन ॥ ३ ॥ लैउत्संनु ॥ छाया विमुक ॥ ३॥ लैउत्संन ॥ अस्कट
कसुनावउत्संनप्रवेस ॥ ३॥ लैउत्संन ॥ नामविली ॥ निरना
मउत्संनधुवं ॥ अंतउत्संनप्रवेस ॥ उत्संनवितपनु ॥ वितयनुउत्स
नु ॥ जउजिउ ॥ सासै ॥ ३॥ रमन ॥ ३॥ दुंतकार ॥ ७॥ समैदेवो
साहिकैनदैयै ॥ अविरलसरवानी गणधर ॥ जिनसिद्धंतत्सवैजि
नुप्रतिगनधर ॥ औकासजिनु ॥ संततगनधर ॥ उनतालीसमैकेजुम
ले ॥ कलनावती दुरेजिन ॥ दिप्तजिनु ॥ विगसरेजु ॥ अस्थानरेजुं
चीदनु ॥ नक्षावती ॥ सूक्ष्मनावती ॥ रमनावती ॥ हीरा ॥ विगस

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0 In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

सिवकुमार ॥ अतुलश्री ॥ चाहित ॥ उईधार ॥ पुनिनौजानेकोई ॥
आहितौ अरुजितु ॥ उत्पेनजितु ॥ नवतौपुरुषमुक्त आरुमिली ॥
दईजानौ इन्द्रपरगारौहै ॥ सुआरुमिली ॥ अवलेहुरेनाहिलेउ
जिहलैनैहोर सोलेहु ॥ अजितनाथ ॥ औरुरनजित ॥ चौसी
॥ ६८ ॥ कलसजुजित अनिउत्पेनन्नऐ ॥ सुपेकलसढलिरहै
कौनहि ॥ अंग ॥ ८ ॥ हुंतकार ॥ ९१ ॥ सर्वंगहुंतकार ॥ १ ॥ दितिदि
प्रहुंतकार ॥ २ ॥ चुटकी ॥ ४ ॥ उत्पेनउत्पेन ॥ ३ ॥ सर्वंगहुंत
कार ॥ ९१ ॥ चुमहाउत्पेन ॥ ३ ॥ उछार ॥ ३ ॥ सव ॥ ३ ॥ लेहुरे
लेहु ॥ ज कहौकरतहहुपेलेहु सव ॥ ३ ॥ पायौपायौपायौ
रे ॥ किसो उनहउरेदिपायौ ॥ सतिपायौ ॥ स्वामीजुकेप्रस
द ॥ विगसकहियउ सुखासोनये ॥ नलैपायौधुरु कलस

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

मणिहै ॥ कमलपुष्पउपरदह ॥ कपडउपरहरी ॥ लीजहिहरी ॥ लीजहिसंहार
लीजहि ॥ छोडैजिनपैलीजहि ॥ उत्पनसमैमिलन ॥ आरतेउत्पनसमै
महूसेउत्पनप्रवेस ॥ रैनमहूछौ ॥ उत्पनविलसरमन ॥ इंद्रधरनेंद्र
महूछौकरतहै ॥ रैनलेहुरेलेहुलूदहु ॥ जैउत्पनजैजैजै ॥ उत्पनप्र
वेस ॥ नउनिधचौदहरयन ॥ तीनलोकआनंतमहूछौकरतहै ॥ उ
छारउत्पन आनंत ॥ साढैबारहकोडवाजेवानै ॥ इंइहिसवउत्पं
नमहूछौ ॥ जौविनतीकीचाहहु ॥ सुकमलावतीरुइजिनि ॥
केआगेकहह ॥ सुकमलावतीरुइरुइजिनकीयौ ॥ सोप्रमा
न ॥ धुवजोमेकहौसोउन्हकीयौ ॥ जुउन्हकीयौ ॥ सोमेकीयौ
जुउन्हकीयौ सोमेकीयौ ॥ जोउनकीयौसोप्रमान ॥ आनंतधु
वप्रवेस ॥ पैहलेहुरैरैलेहु ॥ नरोहनरिदयौरौ ॥ नरिदयलेहुः ॥
मूलचतुष्टौ ॥ लेहुरैलेहु रहाहैलेहु ॥ गुप्तदानचेतामनि ॥

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

डुंतकार ॥ जौपैकोउहै सोसर्वज्ञहै ॥ नट नट ॥ घट घाट ॥ सट साट ॥ त
ट साट ॥ लट लट ॥ वट वट ॥ पेलनोपात्र ॥ औसर्वेलघु गुप्त गुप्त
धुवंउत ॥ छवे छ तीस ॥ छ तीस लेउपावहि ॥ आसपावहि ॥ रहआस
कौइखीनहोउ ॥ जोइनहिदिन महकौ आयौरोनोनविनासै ॥ पेचमूर
उत्पेनगुप्तारपे ॥ जोउत्पनमालैहहि ॥ सोकोनहिदवी ॥ अंकूरउ
स्पंनदसए ॥ ५ ॥ गनतीउत्पंनप्रवेस अनंतु ॥ हासिउविहसिउ ॥
विसउ ॥ अनंतसुंनप्रवेस ॥ पेजुगनधरासिष आएहै ॥ चारदिनवि
नतीकरतहुनये ॥ सौहमारौ अभागुकहाहौ ॥ जौऔर अगेना
पाये ॥ हमकहौ जुप्रसादु नाहीदिवायौ ॥ इंद्रधरनैद्रगंधर्वजषि
विनतीकरत ॥ गादरीदित ॥ जैजैजै ॥ तीनपहिलहू ॥ तीनवहुंरि
ऐकलेजागेउ ॥ नितनिरषितउत्पंन ॥ जैजैजैजैजैजैजैजै ॥ ८ ॥
नोउत्पंनजै ॥ उत्पंन ॥ ११ ॥ उत्पनप्रवेस ॥ ऊँ वेउत्पंनकुंतका

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

मागदीजाषा ॥ अवरउत्पनदसीये ॥ २ ॥ अनंतानंत कोउप्रवेस प्रवेस ॥
उत्पनविलस रमनउत्पनउत्पन ॥ अकेरोमरोम ॥ कोउउत्पन प्रवेस प्रवेसे
कोउसुपकोउ ॥ उत्पन हुंतकारं ॥ उत्पन अजुर पडीछी ॥ पदवी अनंतउत्पने
अनंतकोउ ॥ आनंदकोउ ॥ हसिउविहसिउ ॥ अनंतप्रवेस प्रवेसे ज्ञास्ने ॥
२ ॥ तोडी अनंतवेद अनंतसुन ॥ अनंतसुन अनंतवेदक आरते ॥ १ ॥
उत्पनजैवंतु ॥ सहारजैवंत ॥ सहारे ॥ सहजये जिनस्वामी ॥ तुंहएसु
न ॥ अनंतउत्पनउत्पन ॥ जैवंतहि ॥ कोनरजैवंतहै ॥ कोनर अस्ति
उत्पन ॥ ६२ ॥ अस्तिअतिउत्पन ॥ जैवंत ॥ जिनजैवंत ॥ जिनजैउत्पन ॥ अ
नंतप्रवेसतालै ॥ ७ ॥ तोडी ॥ अनंत अर्क अर्के ॥ अनंतकोउउत्पन
सोहंसोहं ॥ अनंत अर्कउत्पन ॥ गुनसुन अनंतउत्पन ॥ आसनसे
घासन ॥ प्रेचेउत्पन ॥ कमलावती ॥ अनंतकोउउत्पन ॥ अचेतचेत
मनि अनंतप्रवे ॥ गुनवेद अनंत सुन अचेत चेतामनि अनंतप्रवेस ॥

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

छत्रचमरसेंघासन ॥ नौउत्पंन निधि ॥ अनंतप्रवेस ॥ लध्यअलध्य ॥ सुपे
देव ॥ उत्पंनदेवादिदेव ॥ उपलध्यिउत्पंन दिव्यधुनी ॥ मागदीनाका ॥
अरहंतपदवी ॥ अनंतउत्पंन ॥ सुपेलध्यिउत्पंन ॥ अरहंतदीयो ॥ अ
रहंतुदेइ ॥ प्रचेप्रवेस अरहंतुहोइ ॥ लेईजैवंतहोइ ॥ कलनकमल जि
नजिनहिमिलै ॥ सुप्रसुंनउत्पंन ॥ नामप्रनाममहूछो ॥ अनंतुजै
वंतु ॥ जैजैजैजैजैजै ॥ जिनजै जिनजैजिनजै ॥ अरहंतकीये ॥ हुंत
कार ॥ ८ ॥ अरुदोइ ॥ २ ॥ अरुवाइविमलश्री आइदिषाईदी ॥
मिलैभेंटे ॥ देषेउरि ॥ अचेतजुआये ॥ आसनसिंघासन ॥ कमला
सनसिंघासन ॥ चारिकेचार ॥ पाचोदिसहै ॥ अरुहोइहै ॥ २ ॥
आरसुहै ॥ अर्कअन्यावेदक ॥ उत्पंनहुंतकार ॥ ३ ॥ हुंतकार ॥ ७
पौहचौवा ॥ १२ ॥ जनैसाथचाहिजै ॥ पौहईवा ॥ १२ ॥ पयोग्रहः ॥
१२ ॥ सुन ॥ १२ ॥ वेदक ॥ १२ ॥ आगोनी ॥ १२ ॥ बारहतौसाथचा

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

हिजे ॥ पौहचौवा ॥ ये गउडी कौंनेछोरीहै ॥ अनपूछेछोरी ॥ रयनेसुनावकुं
जेजय ॥ रंजप्रवेस ॥ मंगलवार ॥ २२ ॥ मिलनस्थान ॥ ३६ ॥ पांच अरुकई
स ॥ रमनइकईस ॥ पंचोतेर ॥ जैजैजैपारिनामसहित ॥ रुचितंसहितंस्व
रूपं ॥ रुचितंसहितं ॥ ७२ ॥ वहंतारि ॥ रुचितंउत्पंन सहितं ॥ स्वयंउत्पं
न्यवहतारि ॥ ७२ ॥ रुचितेस्वयंउत्पंन्नउत्पंनसुनाव ॥ महसुदहो
तेरे ॥ १०१० ॥ परपर्मात्मास्वरूपं ॥ वासमसेदहोतर ॥ २२७
१० ॥ उचतस्यदुंदभी सद ॥ वतीसमेछानवै ॥ ३२-९६ ॥ सद्दर्थ
प्रसिद्धप्रमान ॥ आगमस्वरूप ॥ नृतस्वयं अरुधरिथदीयौ ॥ उ
त्पंनअकर ॥ २ ॥ अरुउत्पंनमठि ॥ आरतेउत्पंनप्रवेसमिलन
गये ॥ ३ ॥ पैपालुतौ आवै दीवौकतकौ ॥ अनंतउत्पंनुजोलेही
नसकै ॥ चारिउत्पंन ॥ छदमस्तछह ॥ ६ ॥ अरुदोइ ॥ २ ॥ चौरी
धिरै दीयै ॥ छह ॥ अरुछह ॥ अनंतमिलन ॥ अनंतअवगाह

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

अनंतप्रसाद ॥ नोउत्पेनछह ॥ अरुछई ॥ उत्पेनजैउती ॥ ३६ ॥ जै
चौवीस ॥ २८ ॥ तीर्थंकर चौवीस ॥ २४ रमन ॥ ७२ ॥ वहत्तरिजिना
ले ॥ तिलक ॥ ७२ ॥ अंजुरि ॥ ७२ ॥ जुमैकियो सोतुमकीयो ॥ जो
तुमकीयोसोप्रमान ॥ हौकहाउअैसोकहतुहो ॥ कैतुमकाहैसउ
कीयो ॥ चिदानंदचिदानंद ॥ इतनैतौतुम्हारेगुहि नारसहीहै ॥ मै
तुकहियउजोतुमकियो सोप्रमान ॥ जैजैजै उत्पेनजै ॥ जैजै
हितकारजै ॥ जैजैसहकार जै ॥ उत्पेनइंदुभीसइ ॥ पदौहेजिप
रजौवौहिसुकौनसमै आहि ॥ आउरैनाहिहौ आउ हु ॥ प्रनावति
हिवुलावहु ॥ कैसुलावति हिवुला वहु ॥ उत्पेनप्रसाद परवेस ॥
अनंतउत्पेन ॥ तिलक ॥ ३ ॥ जैजैजै ॥ ३ ॥ प्रवेसप्रसाद ॥ दिप्पं
तु वारे हिलकी कमारि आगै आहि ॥ नोउत्पेन अंकूरदसीये ॥ चौ
हउकैउत्पेन उतकार ॥ ६ ॥ उत्पनउतकार ॥ जैजैजै ॥ वेगेहो

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0. In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

उ ॥ वेगे होउरे ॥ वेगीलेउ ॥ घरजिनपदु आहि ॥ कहौकौनही लिहु ॥ ऐतौम
लीरी आये ॥ लेउरे अबलेउ ॥ अपनोघरकै कहो ॥ जिनहिजिनलेहु ॥ जि
निउतौअनंतु ॥ तीनलोक ॥ अनंतप्रवेस ॥ अनंतमहूछौउत्पंनप्रवेस ॥
अचेतचेतामनि ॥ अनंतप्रवेस ॥ दयालप्रसादसमैकहुंदीयौ ॥ सुनेनप्र
सादु ॥ पछौपौ ॥ पुरिषछानवै ॥ ९९ ॥ श्री अडतालीस ॥ ४८ ॥ अवर
श्री ॥ पुरिषगुहिनारे अनंत ॥ रातीसीपिलेआये ॥ कोउमहूंछौकर
ताआहे ॥ अनंतमहूछौकीये ॥ उत्पंनीआभरनअगौनीकैलीये
उत्पंनकौउमहूछौ ॥ अनंतुतिलकुकैवडडे ॥ औरहसरे आये पुरष
॥ ९९ ॥ श्री ॥ ४८ ॥ गुहिनारे अनंत ॥ सीपि ॥ ३ ॥ लैआये ॥ आरते अ
नंतकोउकरत ॥ उंदुनीसदउत्पंन ॥ अनंतगदीउछरतआये ॥ आरते
अनंतकोउकरत ॥ उंदुहीसदउत्पंन ॥ अनंतगदीउछरतआये ॥ आ
गौनी एकलीये ॥ महूंछौहौनलागै ॥ उत्पंनी आसने घासंन

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

वेगाये ॥ आरतेतिल्हु ॥ मल्हो चनेतु कौडकेवहुडे ॥
आरैसुकवारसहजतिलक ॥ डेसंनल्पेनप्रवेस ॥ कालनावती ॥ युद्दिजिन
वेंदा ॥ आगमजिनु ॥ रयनजिनु ॥ विगसरेजु ॥ सूरनाती ॥ नक्षावती ॥ र
मनावती रूपंचेदु ॥ डेक्षावती ॥ दिप्पश्री ॥ पसगैयति ॥ विगसावती
अतुलावती ॥ गुप्पकुमार ॥ विपकरूवा ॥ डेल्हसरूवा ॥ हियरंजुरूवा ॥
जैनावती ॥ गौरूवा ॥ हंसावतीवार ॥ नती ॥ आल्हो ॥ मेमा ॥ अगमी
धनकुरु ॥ असपति ॥ लवनरेजु ॥ तिजैश्री ॥ दिप्परेजु ॥ फिरमलु ॥ ग्कुर
सी ॥ कनकश्री ॥ अना ॥ पुहपासिंघरनि पल्हवा ॥ वैमलु ॥ समल
श्री ॥ गुप्पश्री ॥ दिप्परेजु ॥ कीद्जा ॥ हसा ॥ पजनु ॥ इंदा ॥ विमलकीवि
टीया ॥ जैना ॥ वेसु ॥ जिनरेजु ॥ लवनकीश्री ॥ वैमलकीवद्दे
डराजको वेटा ॥ अनाकौ जैया ॥ अनाकीद्जा ॥ अरहदासु ॥ मद
नी ॥ दादूकीश्री ॥ अरहदासी श्री ॥ दासुमहना ॥ अयुहकीवेटी

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

पौहपा॥ नीषमु मिलन॥ रूपचंद की स्त्री॥ बैमनकी स्त्री॥ हांसौकौवेद
साहुवा॥ नरपति॥ जैसुनसमाधि ऊत्पंनसाह॥ दुंतकुमा
र॥ ३॥ सुयंसुयंसुयं॥ सहजोऊत्पंन्न॥ सहजोऽपनीत॥ सहसाह॥ अल
ध्वन्नवति॥ यहुमेरौकौ आहिरंग्रीयै॥ आरतेकियेतिलहु॥ दुःनिनकौ
नाऊ॥ वरतीन लियौ॥ तीनवार विगसु पौलियौ॥ स्वामी चलोक
नाथ॥ अनंतप्रवेसी॥ अचेतचेतासणि॥ नयसल्प संकअनंतवि
ली॥ अनंतवाधाविली॥ ऊत्पंनप्रवेस॥ जिनतारनतरनसमर्थु
जिनयजिनपायैहौ॥ चैतप्रगट कौनेकही॥ प्रोबिजेकहि पैः॥ जै
जैमिल हौजैनामती॥ रैनाचली॥ जैजैजै॥ संसारतौ आवैजाइ॥
हमसंसार छोडे॥ कमलावती॥ यहस्त्ववहतरा॥ इहावुलाऐ आ
वहिजाहि॥ हमसंसार छोडे॥ कमलावती॥ यइस्त्ववहतिर॥ २
हावुलाऐ आवैजाइ॥ अवहतरा॥ आगेनिवतु॥ आवहितौवुला
ये॥ आवहिजाइ॥ यहु हैरनैगौ॥ नाहितरराराकीजै॥ अवकौ

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0 In Public Domain. Digitized by Sarayu TrustGangotri

हरै ऐसौ ॥ अवतौ नयऊ त्यंनु ॥ अव ऐसौ कौहरै ॥ आयरनाजु ॥ अराध
जै ॥ आत्माजै ॥ ऊत्यंनजै ॥ हितकारजै ॥ सहकारजै ॥ ऊत्यंनत्रलोकनाथ
अनंतप्रवेसी ॥ अचिंतचेतामनि ॥ अनंतजै ॥ जैजैजै ॥ जानंतनी पायौ
जैसातकी विदी ॥ लोजहिरे विगस लोजहि छसैवहत्तरी ॥ ६७२ ॥ जय
पयोग ॥ ६७२ ॥ पयोगुये कुऐकुसुनाऊ ॥ साठि ॥ ६० ॥ ऐकऐकपयो
ग ॥ ६७७ ॥ पयोग प्रति ॥ ७०० ८ ॥ सहस अठोतर जानमान
दान ॥ जानमलयागिर प्रवेस ॥ मानअवनसुवनसुनाऊ ॥ दानऊ
वनसुवनप्रवेस ॥ सेजोगजोग ध्यानु ॥ ऊत्यंनजोग ध्यानु दिन ॥ ६ ॥
आगैछ दमस्त ॥ जिहि अवकै दिन पायौ ॥ तिहमुक्तकलकौ सुना
ऊ ॥ अवहिरनि दिनमहलीयौ पायौ ॥ सोमुक्तकल प्रमान ॥ धुव
ऊत्यंन्य प्रवेस ॥ हितकारकुप्रवेस ॥ हितकारकुतकार साहसकी ॥
अठाह ॥ ८ ॥ नौपरिहरी ॥ ६ ॥ चारिचकवै ॥ ४ ॥ त्रिनी संत मतन

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0 In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

येचौवीसतुम्हारेकोड ॥ २४ ॥ चौवीसहीमेगरजै ॥ अपनी अपनीसा
मयीकरडुं ॥ चक्रवतीके अनंतकी उत्पत्ति ॥ अनंत अर्क अर्के ॥ अनंतउ
त्पन्यप्रवेस ॥ सौइंद्रकोडुकोयो ॥ संतेइंद्रकोडकिसो ॥ वंदितवंदि उत्पत्ति
समयकोड ॥ चौहचतुष्टेके ॥ चारआरतेउडे ॥ अनंतउत्पत्ति ॥ डुंडुहिस
क्अनंत ॥ इंद्रधरनेंद्र गंधर्वजख्ये ॥ अनंतमहूछे आये ॥ मानस्थंज
गले ॥ उत्पत्तिउत्पत्ति अनंतप्रवेस ॥ अनंत अर्क अर्के ॥ अंतरज्ञानव
छने ॥ महूछे अनंतधुव ॥ आस्या परो रोमउत्पत्ति ॥ असाह अमल
वती ॥ महूछो ॥ आसनमेघासन ॥ अनंतधुव ॥ जैधुवजैमहूछो ॥
जैउत्पत्तिनैवंत ॥ पंचपीस त्रैतवारउत्पत्ति ॥ जैजैजै ॥ सुसोसोहं
तुसोहंसो ॥ तुसोहं ॥ सोतुसोहं ॥ सोहंसोत्वं सौहंजैवंत ॥ त्वंजैहैत्व
जयं ॥ सुनाउ ॥ सुक्तविलसजाउ ॥ नामधरैमोरो कहौजाउ ॥ सुनाउ
सुयंसुक्त ॥ विलसउ ॥ नामधरैमोरोकाहाजाउ ॥ सुनउ संसयंतु ॥

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

धुव विलम्बइ ॥ नामु धरै मोरो कहाजा ॥ रयनेसु
नाव पुजेजनु ॥ हितकार ॥ २१ ॥ कमलावलीमहि सुलदे ॥ वारहउय
त्यन प्रवेस ॥ उत्पेन अंकुर ॥ ४ ॥ दिव्यसे ॥ कोउ सुनाव अनेतं प्रवेस
उ ॥ अनंत अर्क अर्के ॥ उत्पेनवीउ जोगाहन ॥ कलनावती जेवंतहो
३ ॥ आरतैलै आई ॥ आचरनपरमिष्टदे ॥ उत्पेनपंचपरमिष्टि ॥
सोप्रसादुलेउ ॥ हमारेजोहै ॥ उवयेसवारह ॥ देउघजार ॥ ३ ॥ अ
रती ॥ २ ॥ छह ॥ ६ ॥ अैसेकोमलपरिनाम ॥ जैकलसआवहि ॥
येकुदोइ ॥ उत्पेनदुंतकार उत्पेन ॥ २१ ॥ उत्पेनरमनचतुर्थो ४
उत्पेन दर्से ॥ उत्पेनयान ॥ उत्पेन चारित्र ॥ उत्पेनप्रवेस ॥ अनंत
वेद अनंतसुख समुद्रउीरे ॥ अर्करमनसुनार ॥ अनंतअर्के उ
त्पेन प्रवेस ॥ सुक्रवार सनीचर ॥ अजितु ॥ उत्पेनमिलनु ॥ समु
वार ॥ संयवार ॥ वुधवार ॥ ब्रसति ॥ सुक्रवार ॥ सनीचर ॥ रमन

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu TrustGangotri

तुष्टौ ॥ उत्पनरभन ॥ प्रथम प्रवेस ॥ पुज अस्थापन ॥ उत्पन आहरन ॥ उत्पन
प्रवेस ॥ अवगाहन ॥ अनंतमिलन ॥ वैसकछह ॥ अवगाहन अस्थापन ॥
आसन सिंघासन ॥ पदवीउत्पन ॥ कोड अनंतप्रवेस ॥ अनंत अर्थ उत्प
नकोड ॥ उत्पनविनोद नीलाकोड ॥ व्रतमलिमन ॥ उत्पनप्रवेस बारह
३ ॥ अवगाहनमिलन ॥ सेन्मुखजंजोग ॥ लधअनंतप्रवेस ॥ अव
गाहन ॥ अवावाह अनंतप्रवेस ॥ पंचैमिलनु ॥ अनमोदविधो ॥ प
र्म अवगाह ॥ वारतीन ॥ ३ ॥ रुडजिन न्हाडि लेउ न्हाडिलेउ ॥ छो
डोजिन लेउलेउ ॥ डोउडुजिन लेउलेउ ॥ छोडो जिनलेउडुंतका
रतीन ॥ ३ ॥ अनरघ धारन्हरे ॥ आरते आपतीन ॥ ३ ॥ जैकोतं सेतन
रहे ॥ मोरीसमैं ॥ ३ ॥ जैमोरी समैतीन ॥ ३ ॥ जैमोरी सोभीती ॥ जैजैजै
अर्हतकीये ॥ जुडीदो डूलागि ॥ सीपदो रलैं [illegible] ॥

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

अनंत आतेले आई ॥ अनंतरतन थे थेजंत ॥ आएमहछेचनं
तके ॥ जीवकलस ॥ संजोग कलस ॥ तुर्ड उत्पेन ॥ संजोगकलस उत्पेनजो
कलस ॥ महाउत्पेंग उत्पेनजोगकलस ॥

पेपंच ॥ भर्यिवार ॥ अप्पं अप्पं अप्पं ॥ जप्पंजप्पंजप्पं ॥ अहेजप्पंतु
हं ॥ सुप्पंसुप्पंसुप्पं ॥ सहेसहंसहं ॥ जप्पंअहंतुहं ॥ तुहेअप्पंजप्पं ॥
अहंतुहं ॥ काकेहाथउत्पेनमहछोपेक ॥ १ ॥ पेकअगरहाथपा
ती ॥ पेकचौवीसहाथपाती ॥ २४ ॥ पेकबारहहाथपाती ॥ १२
जोमोरीपातीफाडी ॥ तौमहनजानही ॥ पेकचौसीठहाथपाती ॥
६४ ॥ पेकछहहाथपाती ॥ ६ ॥ बासौसौसर्व ॥ दयालप्रसाद ॥ पे
तौवपुडौनोरे ॥ नौमीमाग ॥ पेतोकछ गुप्तजानवी ॥ आरहमा
रीपाती फाडे ॥ आहिरहम वैढवे ॥ मतौकीजै ॥ ऐतौजोरीजो
गिमार्ग ॥ हाथआवै थेरहा आठ ॥ रमनत्रचौवीस ॥ २४

8th begins from here!

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0 In Public Domain. Digitized by Sarayu TrusteGangotri

पयोग ॥१२॥ अर्धचौथदि ॥ ॥ चानवैसै ॥ बारह अरु छानवै ॥ ६
रमनछह ॥६॥ छहरमनआपनी ॥ येदिन ॥ चैत्रवदिसदसमे ॥
१०॥ गुरउ ॥ जोगध्यानुदिनछह ॥ ६ ॥ पडिवादिन ॥१॥ उत्पन्नमि
लनदिन ॥३॥ उत्पनचतुर्थीदिन ॥४॥ पडिदल ॥५॥ उत्पन
दिन ॥९॥ डुंतकार ॥३॥ हितकारचौवीस ॥ २४ ॥ उत्पनसुभाउ ॥
रमनमिलन ॥ अनंतओगाहु ॥ अनंतअनन्मोद ॥ धुवअस्था
पन ॥ उत्पनप्रवेस ॥ त्रिलोकनाथु ॥ अनंत प्रवेस ॥ अचोत्त
लामनि ॥ अवलवली ॥ हितकारचौवीस ॥२४॥ डुंतकार उत्पन
दयालप्रसाद ॥ अनंतअवगाहन ॥ प्रीयसुनाव ॥ उत्पनप्रवेस
उत्पनसमैसुसंमेव ॥ आदिष्टइंद्र ॥ इंधरनेंद्र गंधर्व जक्षरपिसत्तू
तपिसाच ॥ उत्पन्नअनंतउत्पन ॥ समे ॥ मंडे ॥ ॥ अचतीन
३ ॥ सुसंमेवउत्पनहोइ ॥ आऐ ॥ इंइंगी ॥ ऐरावत ॥ संजुक्त ॥

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Narla, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

ाढै बारह कोड़ बाजैसाजे सहेद ॥ छत्र चमर सेंघासन ॥ नौनिधि
चौदह रयन नमनिमानिक ॥ हिराय दाथै उदित ॥ आरते ॥ प्रवेसतउसं
न मद्धे आय ॥ वैसकप्रमानवैठे ॥ वैसारेउत्पनप्रवेस ॥ छत्रसुपे
दस्तेनु ॥ उत्पनीकेमाथैदीपो ॥ छत्रपेकुकमलावतीकेमाथे
दीपो ॥ छत्रुपेकरुजिनकेमाथैदीपो ॥ छत्रछारिचक्रावतीके
छत्रचारिसुनावती ॥ छत्रधारिरमनावती ॥ चौरणारआगम
जिनु ॥ चौरणाररमनश्रेनि ॥ चौरणारविगसरेजः ॥ जौथापैउ
प्रमान ॥ आजुवउवडे करापाउः ॥ मोरवडेआजुरुई ॥ जोमहो
छौमोरोकरावहै ॥ सोमहोछौमोरे अपणापकोकरो ॥ जुजैसेपर
च उत्पनसुजारत ॥ प्रचेप्रवेस ॥ उत्पनछोह ॥ अनेत अन्मोद
परचेप्रवेस ॥ परपरिक्रमकीजे ॥ मुक्तप्रवेस ॥ ५५३३२-६ ॥

१४५

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0 In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

वौहत्तकौपूछै ॥ मैतौ कमलाकरौ अरु इनि नौतसलौमकौ ॥
रौतुम्हरछैपुछहोह ॥ जौतुमकौ सौ ॥ सोई मानकैमतिउ ॥ पं पौ
लाषजेपनसहस्रकर्मतुम्हौंदहिनुपैपकडौ ॥ चलौकमंडनउत्पं
नसुनाउ ॥ पैपूजा ॥ उत्पंनरमनचतुर्थौ ॥ ४ ॥ त्रिलौकनाथ अनंत
प्रवेस ॥ हृदयेअरहंतसुनाउ ॥ हृदयंआसनं ॥ हृदेअस्थापनं ॥
हृदेउत्पंन ॥ तिलकउत्पंन ॥ अंकूरआयनं ॥ आराध्य ॥ अला
प ॥ लोकअवलोक ॥ असहसाहउत्पंन ॥ उत्पंनउत्पंनसाह ॥
उत्पंनअसहसाह ॥ उत्पंनदेसप्रवेस ॥ दौरसैसौलह ॥ २१६ ॥
सुनाउ ॥ ३ वहत्तरि ॥ ७२ ॥ दौरसैसोलह ॥ २१६ ॥ गम्यअग
म्य ॥ अथहुअगहुलहु ॥ अनअनयरहत ॥ सहअनसोकौपउत्प
न ॥ चालगिकौरमितं ॥ अनंतानंत ॥ अनंतानंत ॥ अनंतानंत
अनंतानंत ॥ अनंतु ॥ उत्पंन्पप्रवेस ॥ तदिन सैनसह ॥ वंधान

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Narla, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

विलयं जोति ॥ तदिपुन्य आयरन ॥ सुन सहाउ ॥ आयरन ॥ उत्पेन्य
तिलक ॥ आयरनीहत्कार ॥ तिलक ॥ सत्कारतिलक ॥ आयरनवेद
प्रवेस ॥ उत्पेन्य उत्पेन उत्पेन ॥ मनादी जाषा दिव्यधुनि ॥ सुन उत्पे
नसुन उत्पेत ॥ सुन सहाउ ॥ सुन त्रिलोकविजयी ॥ उत्पेन पद तिलक
त्रिलोकविजयी ॥ उत्पेन विजई ॥ जैसाह ॥ जैसाह ॥ जैसाह ॥ जैसा
ह ॥ जैसाह ॥ जैसाह ॥ जैसाह ॥ जैसाह ॥ जैसाह ॥ जैसाह ॥
१० ॥ जैउत्पेन ॥ ३ ॥ जैउत्पेनइंदुनी नसव ॥ जैउत्पेनइंदुनीस
व ॥ जैउत्पेनइंदुनीसव ॥ जैउत्पेनइंदुनीसवहितहारकार ॥ जै
इंदुनीसव आयरन ॥ जैइंदुनीसवध्यानाध्य ॥ जैइंदुनीसव आ
लाप ॥ जैइंदुनीसव अन्मोउ ॥ जैइंदुनीसवसार ॥ जैइंदुनीसव
सार ॥ जैइंदुनीसवउत्पेनसार ॥ जयइंदु संवृविमपक: नपइं
दुनीसव मुन ॥ जैमइंदुनीसवसोम्य ॥ अरथनोरसाउ वार

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0 In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

कौसुम्भ विलास ॥ वेदउत्पन्न सुन्नसहाउ ॥ अनंतप्रवेस ॥ अनंतभुवा
गि कोडिमते ॥ सुल्पसुन्न ॥ अल्पसुन्न ॥ प्रवेस ॥ अनंतभुवालगि ॥ प्रवेस ॥ सुल्पसुन्न ॥ उत्पन्न ॥ अनंतप्रवेस
अनंतानंतु ॥ अनंतानंतु ॥ अनंतानंतु ॥ अनंतानंतु ॥ अनंतानंतु
अनंतानंतु ॥ अनंतानंतसाह ॥ तदिउत्पन्न सुल्पसुन्न ॥ स्वल्पस्व
सुन्न ॥ स्वल्पसुन्न्य उत्पन्न सुन्न ॥ सुल्पसुन्न ॥ उत्पन्नउत्पन्न चतुष्टे
साह ॥ तेदिन्नसुन्न ॥ अलपसुन्न ॥ अनंतानंत ॥ प्रवेस ॥ चौदहछा
नवै ॥ कोडाकोडीसागर ॥ आएसैचौरानएकाल ॥ तुमलध्व
ऊपर लध्यपावक ॥ तुम अपनकीये ॥ हौकवकौवहुत आहि ॥ व
ऊपहरुभयौ ॥ वडौपहरुवागोहीरहै ॥ चंदलगा तौरे ॥ काहौउ
अपुन कहौचाहतुहौ ॥ सुल्पसुन्न ॥ सुल्पस्वसुन्न ॥ सुल्पस्वसुन्न
उत्पन्नउत्पन्न सुल्पसुन्न ॥ महाउत्पन्न उत्पन्नसुन्न ॥ सुल्पसुन्नसु

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Narla, Varanasi

CC0. In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

ऽत्पेनऽत्पेन्य सुल्पसुंन ॥ सुनंऽत्पेनसुल्पंसुल्पऽत्पेन सुंन ॥ सुंनसुंन
ऽत्पेनसुंन ॥ सुल्पंऽत्पेन ऽत्पेनसुंने सुनंऽउ ॥ अल्पऽत्पेन ॥ स्वप्नेस्वल्प
ऋलहदासु सुंने ॥ सुंनेसुप्नेसुल्प ॥ सुप्नेसुल्पऋवगाहन ॥ वयनऋ
ल्पसुप्नं ॥ स्वप्नेऋर्कस्वप्नं ॥ ऋवगाहनसुप्नं ॥ सुंप्नंसुप्नेसुप्नं ॥ अल्पऋ
र्कऋल्प ॥ ऽत्पेन ऋर्कऽत्पेन ॥ स्वप्नेऋल्पसुप्नं ॥ स्वप्नेस्वल्प ऋथथा
थाहसुल्प ॥ ऽवनसुल्प ॥ ऋवगाहसुल्प ॥ ऽत्पेन्यसुंल्प ऋवगाहसु
ल्पस्सुंन सुल्पंऽत्पेन सुल्प ॥ ऋवगाहसुल्प ॥ ऽत्पेनसुंनसुल्प
ऋर्कऽत्पेन स्वल्पऽत्पेन ॥ ऋर्कऽत्पेन सुल्पसुंन ॥ ऋर्कऽत्पेनसुं
न ॥ सुप्नसुल्पेऽत्पेन्य ॥ ऋर्कऽत्पेन ॥ ऋधूविलप्नधुवऽत्पेन
स्वल्पेस्वल्पसुंन ॥ स्वप्नेस्वल्पस्वप्नं ॥ ऋर्कऽत्पेन ॥ ऽत्पेन ऋर्के
ऽत्पेन ऋर्कऽत्पेनं ॥ सुंनस्वप्नं सुल्प ॥ ऋवधविलप्न ॥ धुवऽत्पे
न स्वप्नं ॥ स्वप्नेऽसुंन ॥ ऋर्कऽत्पेन सुल्पसुंन ॥ स्वप्नेस्वल्पवेदक

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

स्वयंसुंन अगे तुं ॥ नेंता अनंत ॥ अनंतस्वयं स्वल्पसुंन ॥ स्वयंस्वल्प
तकार ॥ अनंतसंधसुनाउं ॥ स्वयंस्वल्पसुंन ॥ स्वयंस्वल्पहितकार ॥
मुक्तसुनाउ ॥ स्वयंउत्संन ॥ सुंल्पसंन सुंन ॥ स्वयंसुल्पसुंनप्रवेसरमन ॥
स्वयंउत्संनउत्संन ॥ दिप्तउत्संनसुंनउंवनसुंन सुल्पसुंन ॥ अल्पसुंन
प्रवेस ॥ अल्पसुंनसुयं अनंतानंत प्रवेस ॥ अल्पसुंनस्वयं घुवप्रवे
स ॥ अल्पसुंनसुयं स्वयंउत्संन अल्प अनंतानंतसुंन अल्पसुंन
सुस ॥ इक्कासाह ॥ अनंतानंताप्रवेस अल्पसुंन स्वयंप्रवनरम
न ॥ अनंतानंतप्रवेस ॥ अल्पसुंन ॥ सुयंसुंनउत्संन ॥ अनंत
नंतप्रवेस ॥ अल्पसुंन ॥ सुल्पसुंनप्रवेस ॥ जयंजयंजयंसम
यसरन ॥ साढैवारहकोडवाजैवाजे मुक्तविसाल ॥ उत्संनप्रवे
उत्संन ॥ ४ ॥ केचारी ॥ कैसौ ॥ लह ॥ कैचौपोस ॥ कैचोसिठि ॥
कैछानवै ॥ मुकटदोर आयं ॥ सौनकौ वरीहीरा पंदायेंजरित ॥

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0 In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

औरमालै अनंतसमूह ॥ इत्येनप्रवेसतासाइदीये ॥ जनेपाचछहली
पै ॥ कमलावती ॥ इंद्रिनः ॥ नक्तावती ॥ सूचनावती ॥ विगमरेजुं
रमनप्रेनि ॥ छचचारि इत्येन सुनावं आये ॥ आपरनछंजु ॥ आरा
धनछनुः ॥ सर्वोगछनु ॥ सर्वोगछनु ॥ सर्वोगछनु ॥ पदतिलकुकैवे
वैठे ॥ साढेवारहकोड परमानंदसुनाउ ॥ चरनचरनचरी ॥ चर
चरनचरी ॥ धुवचरनचरी ॥ अगमु ॥ अयदु ॥ अलपु ॥ सुर
इंनचरि ॥ ४ ॥ ककका ॥ ३ ॥ पपपा ॥ ३ ॥ ससस्सा ॥ ३ ॥ र
रा ॥ ३ ॥ लललला ॥ ३ ॥ धधधा ॥ ३ ॥ औजान ॥ जनुअ
नंतु ॥ औजनुअनंतु ॥ प्रवेस ॥ इंद्रीसर ॥ १२ ॥ वारह ॥ आ
पनपति ॥ आपैरैरैरापति ॥ आपरनपति आयो ॥ आपरन
पति आपो ॥ देषौ अपनौ आरदेषौ ॥ आपैरैरैरापति ॥ आ
पनपति आपो ॥ देषौ अपनौ आरदेषौ ॥ चौसठमुष ॥ आप

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0 In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

कनीवती आरकमलावती॥ कदू आइ मिली॥ विनती करत है॥ अने
दकोडमहछौ॥ अनंतकरतहै॥ ऽत्येनप्रवेस॥ बौहरीलडुरीयेन॥ आर
तेमागतुनिवाछनेकरत॥ अनंतनार अनंतवीरी॥ ऽत्येनप्रवेस॥ ऽत्ये
नआयरन॥ त्रिजोगकलस॥ ऽत्येनऽत्येन॥ आयरनऽत्येन॥ ऽत्ये
नआयरन॥ त्रिजोगकलस॥ ऽत्येनऽत्येन॥ आयरनऽत्येन॥ अ
नंतानंतप्रवेस॥ आयरन॥ ३॥ त्रिलोकनाथु॥ अनंतप्रवेस
अनंतानंत प्रवेस॥ अनंतानंतप्रवेस॥ आयरन॥ अनंतानं
त॥ ससा॥ सुंनप्रवेस॥ पात्रपात्रपात्र॥ ऽत्येन्यऽत्येन्यऽत्येन्य
अनंतानंतनंत॥ अनंतानंतनंतप्रवेस॥ पात्रपात्रपात्र॥ ऽत्ये
ऽत्येन्यऽत्येन॥ आयरनजिनेतलाये॥ आरापिधरेसेम्हारे॥ आ
लापजिनसनसुखभये॥ तेपापाये॥ अनंतविचार॥ जिनवरसुख
साहि॥ समाहि॥ ९॥ नानतीन॥ ३॥ रमन॥ ३॥ ऽत्येनजोल

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

ऊत्पंनवाऊ॥ ऊत्पंन्य ऋग्नजोला॥ वलातकार॥ चौथोसंपूर्न॥ सं
जोग॥ ऋवलवली॥ ऊत्पंनरासि॥ ऊत्पंनहितकार प्रसिद्ध॥ ऊत्पं
नसहकार प्रसिद्ध॥ ऋराध्यसद्॥ ऋालापसद्॥ साहसद्॥ सुऊन
सद्॥ ऊत्पंनसद्॥ प्रवेससद्॥ नोऊत्पंन॥ जोऊत्पंनीकहै॥ सो
होरहोरहोर॥ जिनसाह॥ जिनवाह॥ जिनयह यासवाह॥ जि
नहिऊत्पंनवाह॥ जिनसाहवाह॥ जिनऊत्पंनसाहवाह॥ जि
नऋायरनवाह॥ जिनऊत्पंन ऋाराधवाह॥ जिनऋालापव
ह॥ जिनऊत्पंनवाह॥ जिनऋालापवाह॥ जिनऊत्पंनऋाल
पवाह॥ जिनऊत्पंनप्रमानवाह॥ जिनप्रमानवाह॥ जिनऊत्पं
नप्रमानवाह॥ जिनऋषिवाह॥ जिनऊत्पंन ऋल्पवाह॥ जिनऋ
नेतऊत्पंनसाह॥ जिनसुल्पवाह॥ जिनऊत्पंनसुल्पवाह॥ जिन
ऋथाहवाह॥ जिनऊत्पंन्यथाहवाह॥ जिनऊत्पंनथाहवाह

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0 In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

जिनउत्पेन अलब्धवाह॥ जिन अल्पवाह॥ जिनउत्पेन्य अल्पवाह
जिनउत्पेनअल्पवाह॥ जिनथाहवाह॥ जिनउत्पेन्य थाहवाह॥ जिन
अथवाह॥ जिन अगहवाह॥ जिनउत्पेन अगहवाह॥ जिनदिप्तवाह
जिनउत्पेन अनंत दिप्तवाह॥ चौथोजोउत्पेनसो अैसौहोइहै॥ अव
होइ॥ वरहोइ॥ वरिपारिहोइ॥ सवरहोइ॥ सवरादंहोइ॥ तपहोइ॥
तेजहोइ॥ लधहोइ॥ अलधहोइ॥ अनंदहोइ॥ आनंदहोइ॥ रे
जहोइ॥ रमनहोइ॥ रमनाहीहोइ॥ आमाहोइ॥ अन्मोदहोइ
प्रेमहोइ॥ अप्रवेसहोइ॥ अप्रसादहोइ॥ दयाहोइ॥ दयाल
होइ॥ दयाअन्मोदहोइ॥ दयानीहोइ॥ दयालूहोइ॥ दयावंत
होइ॥ दयाउन्मादहोइ॥ प्रसादहोइ॥ उत्पेन क्षीपसमैसाह॥ उ
त्पेनहितकारसमैसाह॥ उत्पेन्य आपरन॥ आराध्य॥ आला
पधुव॥ दूसरीत्रक॥ उत्पेनदर्स॥ त्रकसमैसाह॥ दर्सिमान॥

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

चारित्र ॥ उत्पेनन्य॰विलय॰क्रीय॰ ॥ न्य॰स्तत्य॰संकविलय॰: ॥ सभैसाह ॥
उत्पेनउन्न ॥ सभैसाह ॥ उत्पेनकेव॰लु ॥ पर्मकेव॰लु ॥ उत्सर्वकेव॰लु ॥ उ
त्पेनसुत्तचतुष्टो ॥ सुत्तउत्पेन सभै ॥ हिय॰ारसभै ॥ उत्पेन्पउन्नसाह ॥
मोरीसभैसभै: ॥ उत्पेन्पसभै ॥ हिय॰ारसभै: ॥ सह॰ारसभै ॥ मोरीसभै
पंचत्तकपंच ॥ अमरतसुजाउ: ॥ त्रिलोकनाथु ॥ अनंतप्रेव॰स ॥ छदम
स्तवुलाउ यो ॥ तुम्हचलो ॥ तुमारीसभै निपजिवैहै ॥ हमारौतु
तिलकुलौवीहतरौहै ॥ सौआगैआर्ज ॥ रवलतु अनंतुहै ॥ जैजै
जै ॥ ३ ॥ जैजैजै ॥ ३ ॥ जैजैजै ॥ ३ ॥ जय॰कजैकलैजागिउ: ॥ १ ॥
नमोस्तकी यो ॥ जैआर्ड जैआर्ड ॥ जैलिये ॥ जैसुल्य ॥ जैसुल्य ॥
सोदिन्नप्रेव॰स ॥ सुल्यप्रेव॰स ॥ गुप्ततारजानी ॥ आय॰नजानी: ॥
गुप्तजारजानी ॥ आरध्यसुये ॥ गुप्ततारजानी ॥ अल्प[illegible]जै
सौ सुतेसौ ॥ जैआ धेकोडीकीहै गुपितार ॥ जोलनयौ

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

जैतेचास ॥ जौतेलीयौ ॥ जौजगचंदिदीयौ ॥ जैसौहौतेसौतू ॥ हमारे ॥
जेसैहौतेसौतूं ॥ जैसौतूंतैसौहौ ॥ जौमोरेसुमेरा ॥ मेरोसौतेरौधुव ॥ जैसेले
उलेउ ॥ जैउत्संन्यलेउ ॥ साहसहियउ ॥ जैजैजै ॥ ३ ॥ त्रलोकनाथ ग
नधरलेउसुन्नाउ ॥ उत्संनप्रवेस ॥ लेहुलेहुलेहु ॥ त्रपनौप्रवेसु
उत्संन्यसाह ॥ लेहुलेहुलेहु ॥ त्रपनौप्रवेसु ॥ उत्संन्यसाह ॥
लेहुलेहुलेहु ॥ त्रपनौप्रवेस ॥ उत्संनसाह ॥ लेहुलेहुलेहु ॥
त्रपनौप्रवेस ॥ उत्संनसाह ॥ लेहुलेहुलेहु ॥ त्रिलोकनाथ ॥
त्रनंतप्रवेसी ॥ पाछैनयौसुविली ॥ त्रागैत्रनंतानंतुप्रवे
सहोरहर ॥ त्रनंतसमै त्रावैतौकरौ ॥ त्रनंतप्रवेसकैलेहुं ॥
रुरुजिनकाहेहाथांलेहु ॥ कमलावती रुरुजिन समैकौक
थातौलेहु ॥ तु म पायौसुत्रिलोकपायौ ॥ जैसैलेउतैसैदै
ौलियौ ॥ तैसैदीयौ ॥ जुजैसैलीयौ ॥ सुतैसैदीयौ ॥

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

जुमो रेचारि ॥ सोमीहीपास ॥ चौहरि पापरे ॥ इत्यंतसमेतु लाये ॥ न
दूचंत ॥ नेवदुरी ॥ लेदुरस्वलेहुलेहु ॥ कौनसुनाउहौदेनुहो ॥ पै
नदुरलेहु ॥ चैत्रवंत्रमी पडी ॥ धुरु अवलेहु ॥ चयजुज्ञतांते सु
तहोतेलेहु ॥ राजहंतेसोतहांतेनिकारलेउ ॥ इक्ष्वेइद्रो अत्यादि
दूनकेरेनि कलि ॥ ॥ उत्यनउपवेस ॥ तैसकप्रसाद ॥ उ
स्तनसुनेउ ॥ वस्त्रा ॥ सयं प्रवेस ॥ अनंतसौख्य ॥ एतत्ते
नीकारस्तोत्र ॥ इत्यंत ॥ ॥ ॥ आलापधुरमनु
वेदरतनजटित हार च ॥ लेहु ॥ ॥ पहिराउ ॥ रतनजटि
तमालै ॥ दयालप्रवेसादियो ॥ लेहुरेपहिरो ॥ पहिरावहु ॥ रत्न
जटितमा लै ॥ दयालप्रवेसदियो ॥ लेउरेपहिरो ॥ ॥
कमोतीनवदै ॥ जजासुपरापत सोलहै ॥ सुन ॥ ५७ ॥ न

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

सुनवेद काहेरैलैहौनही॥ नौउवेवर ग्यारहउवेवर॥ नरतमूलउ
येउ मैकलनावतो॥ अरुर्जनकहूंदीयो॥ अतुतमकहूं अरस
वंमकहूंदीयो॥ अरु प्रवेस॥ नौउत्सविधि॥ चौउत्यंनरपन॥ अ
चेतचेतनानि॥ इसंनवरस॥ गनअस्महसमेकहूदीयो॥ दया
लीर॥ अनवरस॥ अनेमहछौसातापमाने॥ काहे
रचवेनपालेनैनहीरे॥ किसोउतहुहवेउमहउ
रनतनाथ॥ अवतेवतहुरत्यो॥ वेअवहिकेम
कप्रसंस॥ जिनकहाप्रसाद॥ मेरधरग्यारहवें॥ १
चौवीसको॥ २४॥ कहतिरकौ॥ ४२॥ वीरअमेतप्रस॥
दिष्टअदिष्टउतनप्रसाद॥ ५॥ लैइहजिनपदि॥
नजदित्तपहराउजिन॥ तिलकग्यारह॥ १०॥ अनंतप्रस

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

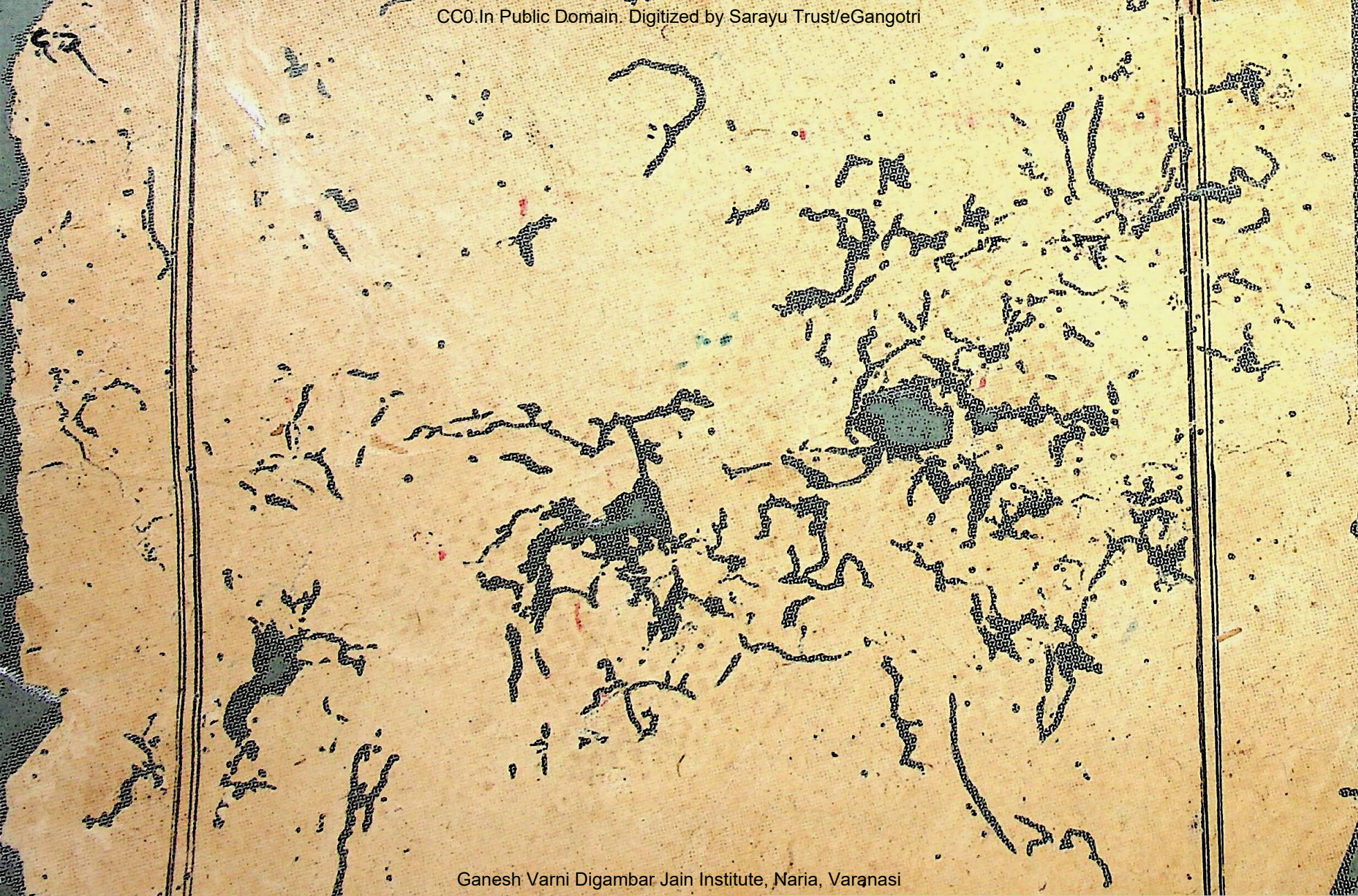

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi